दैनिक कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष : 27, अंक : 208 पृष्ठ 12, रीवा
गुरुवार 17 अप्रैल 2025
मूल्य : 3.00 रुपए

सोनिया-राहुल पर वार...सडक़ पर संग्राम, पिंजरे में तोता लेकर भोपाल ईडी दफ्तर पहुंचे कांग्रेसी, पटवारी बोले-गांधी परिवार पर कार्रवाई अलोकतांत्रिक

-लखनऊ में बैरिकेडिंग तोड़ी, अमेठी में पुलिस से हाथापाई, अखिलेश बोले-ईडी को खत्म कर देना चाहिए

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ(प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इसके विरोध में पार्टी ने देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया गया। वहीं मप्र, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य राज्यों में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी।

भोपाल में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ चार्ज शीट पेश किए जाने का विरोध करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पीसीसी चीफ पटवारी प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर

पहुंचे। इस दौरान पुलिस को ज्ञापन के साथ ही पिंजरे में रखा तोता भी भेंट किया। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। इससे पहले, मंगलवार को ही सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी यंग इंडियन के जरिए केवल 50 लाख रु. में कर लिया। इस कंपनी के 76 प्रतिशत शेयर सोनिया व राहुल के पास हैं। इस मामले में अपराध से अर्जित आय 988 करोड़ रु. की मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रु. बताया गया है।

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता देशभर में विरोध में सडक़ों पर उतरे। रायुपर में ईडी दफ्तर के सामने प्रदर्शन के दौरान भूपेश बघेल ने कहा की कांग्रेस को दबाने और कांग्रेसियों को बदनाम करने की साजिश हो रही है। नेशनल हेराल्ड पैसा कमाने का जरिया नहीं था। लखनऊ में पुलिस ने पैदल मार्च रोकने के लिए कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग लगाई। कांग्रेसी उसे तोड़ते हुए आगे बढ़े। 50 मीटर ही बढ़े थे कि उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

धार्मिक स्थल पर बुल्डोजर कार्रवाई पर बवाल

नासिक(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में धार्मिक स्थल पर बुल्डोजर कार्रवाई पर बवाल हो गया। धार्मिक स्थल को गिराने पर गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया। इसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने तीन पुलिस वाहनों में तोडफ़ोड़ कर दी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े और स्थिति को नियंत्रण में किया। 15 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने शहर के काठे गली इलाके में स्थित अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को हटाने का आदेश दिया था।

21.78 करोड़ की कोकीन बरामद

मुंबई(मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद की गई है। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने 21.78 करोड़ रुपए की कोकीन की तस्करी करने की कोशिश करने के आरोप में गिनी की एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला केन्या की राजधानी नैरोबी से मुंबई एयरपोर्ट पर उतरी थी।

बॉर्डर पर मुठभेड़ में 2 नक्सली ढेर

जगदलपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर और कोंडागांव जिले की सरहद पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने 2 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में हलदर डिविजनल कमेटी मेंबर पर 5 लाख और रामे एरिया कमेटी मेंबर पर 5 लाख का इनाम था। शव के साथ एके -47 जैसे ऑटोमैटिक वेपंस भी बरामद हुए हैं। जवानों ने 2025 में अब तक 148 नक्सलियों को मार गिराया है।

गहलोत सरकार की 33 योजनाएं फ्लैगशिप कार्यक्रम से बाहर

जयपुर राजस्थान में भजनलाल सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार की सभी 33 योजनाओं को फ्लैगशिप कार्यक्रम से बाहर किया है। इसमें पेंशन योजनाएं, देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना, विदेशों में प्रतिभावन विद्यार्थियों को पढ़ाने की स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं इसमें शामिल हैं।

वक्फ कानून पर हिंसा से सुप्रीम कोर्ट परेशान ,नए कानून पर रोक से इनकार किया,

केंद्र सरकार से पूछा , क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे

वक्फ बाय यूजर पर मांगी सफाई,

-कागजात नहीं तो पुरानी मस्जिदों का क्या होगा?

नई दिल्ली केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर स्त्र ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा

कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से वक्फ बाय यूजर संपत्तियों के प्रावधानों को लेकर सवाल किए। अदालत ने कहा कि वक्फ बाय यूजर की संपत्तियों को डिनोटिफाई करना, जो कानून के तहत स्थापित हो चुकी हैं, समस्याएं पैदा करेगा। कोर्ट ने केंद्र से इस पर भी जवाब मांगा कि अगर किसी पुरानी मस्जिद के पास कागजात नहीं होंगे तो उनका रजिस्ट्रेशन कैसे होगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने केंद्र से वक्फ बाय यूजर प्रावधान को हटाने पर स्पष्टिकरण मांगा। अदालत ने कहा कि 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच बनी अधिकतर मस्जिदों के पास बिक्री विलेख नहीं होंगे। इनका रजिस्ट्रेशन कैसे होगा? वक्फ बाय यूजर उस संपत्ति को कहा जाता है जिसे लंबे समय तक धार्मिक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाए जाने के कारण वक्फ माना जाता है, भले ही उसके पास कोई औपचारिक दस्तावेज न हो। हालांकि, नए कानून में एक छूट दी गई है कि यह उन संपत्तियों पर लागू नहीं होगा जो विवादित हैं या सरकारी भूमि पर हैं।

संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कैसे होगा

अदालत ने कहा कि आपने अभी तक सवाल का जवाब नहीं दिया। वक्फ बाय यूजर घोषित होगा या नहीं? यह तो पहले से स्थापित चीज को उलटना होगा। वक्फ बाय यूजर संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कैसे होगा? आप यह नहीं कह सकते कि ऐसा कोई मामला ही नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी मस्जिदों से रजिस्टर्ड डीड की मांग करना असंभव है क्योंकि वे वक्फ बाय यूजर संपत्तियां होती हैं। अदालत ने वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के प्रावधान पर भी सवाल उठाया और केंद्र से पूछा कि क्या वह हिंदू ट्रस्टों में मुसलमानों को शामिल करने की अनुमति देगा? पीठ ने यह भी कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम की वह शर्त, जिसके अनुसार किसी संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा जब तक कलेक्टर यह जांच कर रहा हो कि वह सरकारी भूमि है या नहीं, इसे प्रभावी नहीं माना जाएगा। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट अब गुरुवार 2 बजे सुनवाई करेगा।

पैसे देकर बाहरी लोगों को बुलाया, बंगाल में हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार

सीएम ममता ने कहा- कई जगह वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार भी रहते हैं

कोलकाता,। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में भड़की हिंसा के लिए भी बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पैसा देकर बाहरी लोगों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में हिंदुओं को सोशल वेलफेयर के लिए वक्फ ने दान दिया है। आज कई जगहों पर वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार रहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर स्टेट वक्फ बोर्ड तोड़ने और उसका नियंत्रण आपने हाथों में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में आपकी सिंगल मैजोरिटी नहीं है, फिर यह कैसे कर रहे हैं?

उन्होंने बीजेपी के मनमानी के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को भी घेरते हुए कहा कि आप दोनों क्यों चुप हैं? क्या आपने उन्हें वोट नहीं दिया? अगर वक्फ में बदलाव करना था, तो संविधान संशोधन क्यों नहीं किया? आपने चालाकी से बिल पास कराया। ममता ने बीजेपी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रामनवमी के दिन दंगे भड़काने की योजना बनाई थी, लेकिन जनता ने इसे नाकाम कर दिया।

उन्होंने कहा कि हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो पैसे लेकर अपनी ही जड़ें काटते हैं। अगर आपको विरोध करना है, तो इंडोर स्टेडियम में करें, बाहर नहीं, क्योंकि वहां बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काएंगे। ममता ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज कसा। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को इतनी जल्दी क्यों है? बांग्लादेश की स्थिति का क्या पता? आप यूनुस के साथ चुपके-चुपके बैठक करते हैं, आपका योजना क्या है? उन्होंने शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कभी पीएम नहीं बनेंगे। मोदीजी जब पीएम नहीं रहेंगे, तो आपको नीचे आना पड़ेगा। मोदीजी से कहूंगी कि इस व्यक्ति को नियंत्रित करें, जो सभी एजेंसियों को अपने कब्जे में रखे हुए है। भड़की हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि ये सुनियोजित सांप्रदायिक दंगे हैं।

बिहार में दलित बस्ती में लगी आग, 4 बच्चों समेत 5 की मौत

15 बच्चे लापता, पुलिस व स्थानीय लोग कर रहे खोजबीन

मुजफ्फरपुर, बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से ज्यादा घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों जलने से मौत हो गई है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी पंचायत की है। बताया जा रहा है कि गोलक पासवान के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरे झुग्गी इलाके में फैल गई जिसमें कई लोग फंस गए और उनकी जान चली गई।

जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर के डीएम ने बताया कि गांव के गोलक पासवान में घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग काफी फैल चुकी थी। आग लपेटें बहुत तेज थी जिस कारण बच्चे डर गए और बाहर नहीं निकल पाए और आग की चपेट में आ गए। आग लगने से 4 बच्चों और एक व्यक्ति की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर एसडीएम को भेजा गया है। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू पासवान के 3 बच्चों की आग में झुलसने से मौत हो गई है। इन बच्चों की उम्र 12, 8 और 9 साल थी। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई है। अग्निशमन की टीम मौके पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी है। दर्जनों घर जलकर राख हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एक ग्रामीण ने बताया कि जब आग लगी तो इसकी सूचना थाने को दी, लेकिन कोई मौके पर नहीं पहुंचा। अग्निशमन टीम भी जब पहुंची, तब तक आग पर काबू पा लिया था। एक साथ चार बच्चे की झुलसने से मौत हो गई है। हालांकि 15 बच्चे अब तक लापता है। इन बच्चों की खोजबीन की जा रही है।

जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर होगा

नई दिल्ली,। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर के किसानों और कृषि पर निर्भर लोगों को राहत भरी खबर दी है। विभाग के मुताबिक इस बार जून से सितंबर तक का मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। बता दें कि मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल तट से दस्तक देता है और मध्य सितम्बर में वापस चला जाता है।

आईएमडी के मुताबिक 2025 के मानसून सीजन में 105 फीसदी बारिश होने की संभावना है, जो कि लॉन्ग पीरियड एवरेज से ज्यादा है। सामान्य तौर पर मानसून के 4 महीनों में भारत में औसतन 868.6 मिलीमीटर बारिश होती है। इस बार यह आंकड़ा बढ़कर 87 सेंटीमीटर तक पहुंचने का अनुमान है।राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मराठवाड़ा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। मई और जून में भीषण गर्मी और लू का असर रहेगा। इस बार अल नीनो का असर नहीं रहेगा, जो आमतौर पर मानसून को कमजोर कर देता है।भारत की 52 फीसदी कृषि भूमि मानसून पर निर्भर है और 70 फीसदी से ज्यादा वर्षा मानसून के दौरान होती है। ऐसे में अच्छी बारिश का मतलब है बेहतर फसल, अच्छी पैदावार और किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी। इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, याचिका को किया खारिज

उर्दू भारत में ही जन्मी भाषा, इसे किसी धर्म से जोड़ना है गलत

अकोला, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर परिषद के साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को बरकरार रखते हुए एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भाषा संस्कृति का हिस्सा है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। कोर्ट ने उर्दू को गंगा-जमुनी तहजीब की बेहतरीन मिसाल बताते हुए इसे भारत में जन्मी भाषा करार दिया है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पातुर नगर परिषद की पूर्व पार्षद वर्षाताई संजय बागड़े की याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में भारत की भाषाई विविधता की सराहना की और कहा कि हमें अपने पूर्वाग्रहों को त्यागकर हर भाषा से दोस्ती करनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर भारत का विभाजन न हुआ होता, तो हिंदी और उर्दू का मिश्रित रूप हिंदुस्तानी शायद देश की राष्ट्रीय भाषा होती।

याचिकाकर्ता ने साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को चुनौती दी थी और दावा किया था

कि महाराष्ट्र स्थानीय प्राधिकरण अधिनियम, 2022 के तहत केवल मराठी का इस्तेमाल होना चाहिए। पीठ ने कहा कि भाषा किसी धर्म की नहीं होती, वह किसी समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है।सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस धूलिया ने कहा कि उर्दू भारत में जन्मी भाषा है और इसे किसी धर्म से जोड़ना गलत है। यह गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो उत्तरी और मध्य भारत की समन्वित सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। उन्होंने साफ कहा कि उर्दू और मराठी दोनों का संविधान के तहत समान दर्जा है। कोर्ट ने कहा कि यदि स्थानीय लोग उर्दू से परिचित हैं, तो साइनबोर्ड पर इसका इस्तेमाल करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि उर्दू को अक्सर मुस्लिम समुदाय से जोड़कर देखा जाता है, जो कि वास्तविकता से कोसों दूर है। जस्टिस धूलिया ने कहा कि औपनिवेशिक शक्तियों ने हिंदी को हिंदुओं और उर्दू को मुसलमानों से जोड़ने की गलत धारणा बना ली है। उर्दू भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है और यह देश के करीब सभी राज्यों में बोली जाती है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि भाषा का मूल उद्देश्य संचार है, न कि पहचान की राजनीति। फैसले में कहा गया कि हमें अपनी विविधता, विशेषकर भाषाई विविधता का सम्मान करना चाहिए और उसमें आनंद लेना चाहिए।

अपनी मर्जी से शादी की है तो सुरक्षा मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने चित्रकूट की श्रेया केसरवानी और अन्य की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अपनी मर्जी से शादी करने से जोड़े को सुरक्षा की मांग करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यदि उनके साथ दुर्व्यवहार या मारपीट होती है तो कोर्ट और पुलिस उनके बचाव में आएगी। उन्हें एक-दूसरे के साथ खड़े होकर ही समाज का सामना करना चाहिए। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जिन्होंने अपनी मर्जी से शादी कर ली हो, कोर्ट ऐसे युवाओं को सुरक्षा देने के लिए नहीं है। सुरक्षा की गुहार लगाने के लिए उन्हें वास्तविक खतरा होना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक चित्रकूट में युवक ने लव मैरिज की थी। इसके बाद कोर्ट में सुरक्षा को लेकर याचिका दायर की। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं ने एसपी चित्रकूट को प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस वास्तविक खतरे की स्थिति को देखकर कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाए। याचियों ने कोर्ट में अपील की थी कि हमारे जीवन में विपक्षी हस्तक्षेप न करें। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं पर ऐसा कोई खतरा नहीं दिख रहा, जिसके आधार पर उन्हें पुलिस संरक्षण दिया जाए।

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 85.64 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है।

एसयूवी कर्व ईवी डार्क एडिशन की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कूप-एसयूवी कर्व ईवी डार्क एडिशन की बुकिंग शुरू कर दी है। कर्व ईवी डार्क एडिशन को केवल एक ही वेरिएंट - एम्पावर्ड प्लस एडीएएस 55केडब्ल्यूएच में पेश किया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपये रखी गई है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। यह मॉडल कंपनी की डार्क एडिशन रेंज का हिस्सा है, जो अपने ऑल-ब्लैक थीम और प्रीमियम लुक के लिए जानी जाती है। इस एडिशन में एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में ब्लैक थीम अपनाया गया है।

अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मृत्यु हो जाए तो कौन भरेगा बकाया रकम?

नई दिल्ली। आज-कल लोन लेना आसान हो गया है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्सनल लोन लेते हैं और बैंकों इस पर ब्याज भी वसूलता है और लोन लेने वाला शख्स ईएमआई के रूप में लोन का भुगतान करता भी है। आमतौर पर बैंक लोन देने से पहले बॉरोअर की फाइनेंशियल हिस्ट्री देखी जाती है उसके बाद ही लोन दिया जाता है, अगर बकाया लोन भरने से पहले ही लोन लेने वाले शख्स की मौत हो जाए, तो यह कई अहम सवाल खड़े करता है कि उस कर्ज की अदायगी कैसे होगी।

सोना पहली बार 94 हजार के पार

नई दिल्ली । सोने के दाम ने बुधवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,387 रूपए बढ़कर 94,489 रूपए पर पहुंच गया। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,102 रूपए थी। एक किलो चांदी की कीमत 373 रूपए बढ़कर 95,403 रूपए प्रति किलो हो गई है।

सोने ने लगाई छलांग 95 हजार पर पहुंचा, चांदी की चमक भी बरकरार

फिजिकल गोल्ड रखना सुरक्षित तरीका, अब लोग डिजिटल गोल्ड की तरह कर रहे मूव

नई दिल्ली। बुधवार को सोने के भाव ने घरेलू वायदा बाजार में पहली बार 95,000 का आंकड़ा पार किया। यह अब तक का इसका सबसे ऊंचा भाव है। सोना 95,090 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए टॉप पर पहुंच गया और बाद में कुछ गिरावट के बाद 95,000 पर कारोबार हुआ। बुधवार दोपहर तक सोने की कीमत में 1.66 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। चांदी ने भी वायदा बाजार में अच्छी बढ़त दर्ज की, इसकी कीमतें 1.56 फीसदी बढ़कर एमसीएक्स पर 96,253 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसने दिन के भीतर 96,344 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर भी छुआ।

कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच जारी अनिश्चितता के चलते आई। अंतराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें गिरते डॉलर, व्यापार को लेकर बने तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। स्पॉट गोल्ड 1.7 फीसदी बढ़कर अंतराष्ट्रीय बाजार में 3,282.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जो पहले 3,290.1 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर था। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.8 फीसदी बढ़कर 3,299.60 डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले 0.5 फीसदी गिर गया, जिससे अन्य करेंसी होल्डर्स के लिए सोना ज्यादा आकर्षक हो गया। पारंपरिक रूप से सोने को भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के समय सुरक्षित निवेश माना जाता है और इस साल इसने कई रिकॉर्ड को छुआ, जिससे इसकी कीमत में 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ी। प्रमुख बैंकों को आगामी तिमाहियों में सोने की संभावनाओं पर भरोसा है। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप का अनुमान है कि 2026 के मध्य तक कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं।

सिंगापुर स्थित डीलर गोल्डसिल्वर सेंट्रल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि जब तक अनिश्चितता रहेगी, सोना मजबूत रहेगा। सोने में निवेश भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो वित्तीय सुरक्षा के लिए भी अहम है। निवेशक के पास सोने में निवेश के कई तरीके हैं। फिजिकल गोल्ड रखना अब तक काफी आम तरीका है, लेकिन अब यह काफी तेजी से बदल रहा है और लोग डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ की तरफ मूव कर रहे हैं।

वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रहेगी, मार्च में मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि जून और अगस्त की आरबीआई की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25-25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि इस वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी।इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि आसान लिक्विडिटी की स्थिति बनी रहेगी और ब्याज दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

मार्च में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही, जो बाजार की 3.5 फीसदी की उम्मीद से कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार तीसरे महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो पिछले महीने की तुलना में 0.7 फीसदी कम है, जिसका कारण सब्जियों, दालों, अंडों और मछली-मांस की कीमतों का कम होना है। अनाज और दूध की कीमतों में क्रमिक गति सामान्य रही, जबकि चीनी और फलों की कीमतें ऊंची रहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, अप्रैल में मुद्रास्फीति का आंकड़ा मार्च के स्तर के करीब है। प्याज और टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अप्रैल के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0 से 5 फीसदी की कमी आई है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति के औसतन 3.7 फीसदी रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के लक्ष्य और पूर्वानुमान 4 फीसदी से काफी कम है। नई गेहूं की फसल बाजार में आने के साथ अप्रैल से खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने भी 2025 के लिए सामान्य मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में रुपए की मजबूती, चीन से आयातित सामानों के दामों में तुलनात्मक कमी, तेल की नरम कीमतें और कमजोर घरेलू विकास के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नरम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास के 100 संकेतकों के हमारे फ्रेमवर्क से पता चलता है कि मार्च तिमाही पिछली दो तिमाहियों की तुलना में बेहतर है, लेकिन जून 2024 से काफी नीचे है।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है।

इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी।

नई कर्व डार्क एडिशन भारतीय बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने नई कर्व डार्क एडिशन को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह कार कंपनी की डार्क एडिशन लाइनअप का हिस्सा बनी है, जिसमें पहले से हैरियर, सफारी, नेक्सॉन, पंच और इनके इलेक्ट्रिक वर्जन शामिल हैं।

इसकी शुरुआती कीमत 16.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। यह लॉन्च सिट्रोएन बेसाल्ट के डार्क एडिशन वेरिएंट के बाद हुआ है।

कर्व डार्क एडिशन दो टॉप ट्रिम्स अकंप्लिश्ड एस और अकंप्लिश्ड +ए में उपलब्ध है।

इसका लुक पूरी तरह ब्लैक थीम पर आधारित है जिसमें ब्लैक ग्रिल, अलॉय व्हील्स, रूफ रेल्स, और टिंटेड ग्लास के साथ हेडलैंप व टेललैंप पर स्मोक्ड इफेक्ट मिलता है। इसके रियर फेंडर पर 'डार्क एडिशन' का बैज इसे स्टैंडर्ड मॉडल से अलग बनाता है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें ऑल-ब्लैक थीम, लेदरेट सीट्स और डोर ट्रिम्स जैसे बदलाव देखने को मिलते हैं।सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा, टीपीएमएस, पार्किंग सेंसर्स और लेवल-2 एडीएएस दिया गया है।

पावरट्रेन में इसे 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल (123 बीएचपी) और 1.5-लीटर डीजल इंजन (116 बीएचपी) विकल्पों में लॉन्च किया गया है, जो मैनुअल और 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आते हैं। फीचर्स में 12.3 इंच का टचस्क्रीन, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 9-स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, रीक्लाइनिंग रियर सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और एयर प्यूरीफायर शामिल हैं।

सेकेंड हैंड बाजार में नेक्सॉन की कीमत में मिल रही लग्जरी कारें

नई दिल्ली। अगर आप इस बजट में एक प्रीमियम और लग्जरी कार का अनुभव लेना चाहते हैं, तो सेकेंड हैंड बाजार में कुछ ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपको नेक्सॉन की कीमत में ही मिल सकते हैं। जैसे कि 2011 मॉडल बीएमडब्ल्यू 525डी, जिसे 13.95 लाख रुपये में बेचा जा रहा है।

यह कार केवल 58,000 किलोमीटर चली है और इसमें एम स्पोर्ट्स जैसा लुक दिया गया है। इसके साथ ही इंटीरियर में भी बदलाव कर नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्क्रीन जोड़ी गई है। इसमें सनरूफ, लेदर सीट्स और 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 217 बीएचपी की पावर देता है। दूसरा विकल्प है मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, जो मात्र 13.25 लाख रुपये में मिल रही है। इसमें 3.5-लीटर वी 6 पेट्रोल इंजन है जो 272 बीएचपी की ताकत देता है। एस-क्लास को लग्जरी का प्रतीक माना जाता है और इसमें रियर एंटरटेनमेंट स्क्रीन, इलेक्ट्रिक सीट्स और प्रीमियम इंटीरियर मिलता है। इसके अलावा 2017 की जगुआर एक्सई प्रेस्टिज 16.9 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो कम उम्र और दमदार फीचर्स के कारण एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं, 2016 की ऑडी ए6 भी 18.5 लाख रुपये में मिल रही है, जिसमें प्रीमियम इंटीरियर और एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। कुल मिलाकर, यदि आप नेक्सॉन खरीदने का सोच रहे हैं, तो इन्हें भी एक बार जरूर देखें।

म्युचुअल फंड्स में निवेशकों को पोर्टफोलियो ओवरलैप हुआ तो घटेगा रिटर्न

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड्स उन निवेशकों के लिए बेहद वायदेमंद हैं जो अपने पैसे को अलग-अलग जगह लगाकर रिस्क कम करना चाहते हैं और एक्सपर्ट फंड मैनेजर पर भरोसा करते हैं, लेकिन इसमें जोखिम भी है पोर्टफोलियो ओवरलैप। कई निवेशकों का मानना है कि अगर उन्होंने कई फंड्स में निवेश किया है, तो उनका पैसा सुरक्षित है क्योंकि वह अलग-अलग जगहों पर फैला है, लेकिन अगर ये फंड्स एक ही तरह के स्टॉक्स में निवेश कर रहे हों, तो इसमें जोखिम और बढ़ा जाता है। इस ओवरलैप से डाइवर्सिफिकेशन का फायदा कम हो सकता है और आपके कुल रिटर्न में भी गिरावट आ सकती है। आपके पोर्टफोलियो में मौजूद दो या ज्यादा म्युचुअल फंड्स एक जैसे या समान स्टॉक्स या सेक्टर्स में निवेश करते हैं, तो उसे ओवरलैप कहा जाता है। जैसे अगर आपने दो लार्ज-कैप इक्विटी फंड्स में निवेश किया है और दोनों ही फंड्स रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक या इंफोसिस जैसे ब्लूचिप स्टॉक्स में भारी निवेश कर रहे हों। ऐसे में रिस्क को अलग-अलग जगह बांटने की बजाय, आप एक ही कंपनियों में ज्यादा एक्सपोज हो जाते हैं, जिससे आपका जोखिम बढ़ सकता है। अपने पोर्टफोलियो में शामिल हर म्युचुअल फंड की टॉप 10 होल्डिंग्स को चेक करें। अगर आपको एक जैसे स्टॉक्स बार-बार दिखाई दें, तो इसका मतलब है कि आपके पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय बाजार में जहां कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही चल रही हैं। वहीं घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। तेल कंपनियों ने यूपी और बिहार सहित देश के कई राज्यों के शहरों में तेल के दाम बढ़ाये हैं हालांकि देश के चारों महानगरों में इनकी कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है।

यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल भी 8 पैसे ऊपर बढ़कर 87.89 रुपये प्रति लीटर है जबकि गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे बढ़त के साथ 94.70 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 64 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर जबकि डीजल 60 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर पर है। कच्चे तेल की बात करें तो ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 64.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी फिसलकर 61.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं।

भारत में एआई पर खर्च में 2028 तक होगा 35 प्रतिशत का इजाफा!

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर खर्च भारत में 2028 तक 35 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि बढ़ता हुआ खर्च एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए बेहतर डेटा गुणवत्ता, प्रशासन और क्लाउड माइग्रेशन की जरुरत को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 51 फीसदी भारतीय कंपनियां क्लाउड पर एआई सॉल्यूशंस होस्ट कर रही हैं। हालांकि, खराब गुणवत्ता एक चुनौती बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण डेटा एक बड़ी समस्या है। भारत में 54 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 40 फीसदी और आसियान में 40 फीसदी, एपीएसी में 50.4 फीसदी कंपनियां इसे चुनौती मानती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 62 फीसदी भारतीय संस्थाओं ने डेटा गवर्नेंस और प्राइवेसी पॉलिसी में सुधार की जरुरत को पहचाना है, जबकि 28 फीसदी एआई डेटा पूर्वाग्रह की चुनौती जूझ रही थी। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कंपनियां एआई-तैयार डेटा रणनीतियों को स्थापित करने के लिए डेटा एकीकरण, एमएल प्लेटफॉर्म और एनालिटिक्स में निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय संस्थाएं क्लाउड को अपनाने को एआई की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानती हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित इनोवेशन को बढ़ाने के लिए, व्यवसायों को एक मजबूत, स्केलेबल डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होगी जो हाई-परफॉर्मेंस एआई एप्लीकेशंस का सपोर्ट करता हो। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि 36 फीसदी एंटरप्राइजेज जेनएआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और 46 फीसदी 12-24 महीनों के भीतर निवेश की योजना बना रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बराबर है और 20 फीसदी संस्थाओं के पास एडवांस एआई क्षमताएं हैं, हालांकि देश आसियान से पीछे है, जहां 27 फीसदी संस्थाएं इस स्तर तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए, संस्थाओं को विश्वसनीय डेटा, मजबूत प्रशासन और इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

फरवरी में थी 2.38 फीसदी जो मार्च में घटकर 2.05 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई।

खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

एसयूवी टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा हैरियर के पेट्रोल वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। हाल ही में टाटा हैरियर पेट्रोल मॉडल को टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने की अटकलें तेज हो गई हैं। अभी तक बाजार में यह एसयूवी केवल डीजल इंजन में ही उपलब्ध है, लेकिन अब कंपनी इसे पेट्रोल वेरिएंट में भी पेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स अपनी हैरियर और सफारी एसयूवी में नया 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड डायरेक्ट इंजेक्शन पेट्रोल इंजन देने की योजना बना रही है। यह इंजन 170 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही यह इंजन बीएस6 फेज-2 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगा और ई20 एथेनॉल-पेट्रोल मिक्स फ्यूल पर चलेगा। कंपनी इसे मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों में साथ बाजार में उतार सकती है।

पेट्रोल इंजन की बदौलत यह एसयूवी न केवल अधिक किफायती विकल्प बन सकती है, बल्कि इसे उन ग्राहकों से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है, जो डीजल वाहन से दूर रहना पसंद करते हैं। अनुमान है कि टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन 2025 की दूसरी छमाही तक बाजार में आ सकता है।बता दें कि टाटा मोटर्स ने पहले अपने ऑटो एक्सपो में हैरियर के इलेक्ट्रिक वर्जन को भी प्रदर्शित किया था, लेकिन उसकी लॉन्चिंग अभी लंबित है।

ऐसे में माना जा रहा है कि पेट्रोल वर्जन को पहले लॉन्च किया जा सकता है।

वायरमेन की परीक्षा हेतु आवेदन 30 तक

शहडोल संभागीय अनुज्ञापन समिति ;विद्युतद्ध संभाग ने जानकारी दी है जिला.शहडोलध्अनुपपुरध्उमरिया ध्कटनीध्पन्नाध्मंडलाध्डिंडोरी के क्षेत्रांतर्गत अनुभवधारी व्यक्तियों के लिए माह जुलाई 2025 में वायरमेन परीक्षा ;बद्ध श्रेणी विद्युत लायसेंस हेतुद्ध केन्द्र शहडोल पर आयोजित की जा रही है।

जिला चिकित्सालय में दिया गया फायर सेफ्टी प्रशिक्षण

सीधी जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ दीप रानी इसरानी के निर्देशन में फायर सेफ्टी प्रशिक्षण डॉ लक्ष्मण पटेल एवं नर्सिंग ऑफिसर वेदवती द्विवेदी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आग लगने के कारण, सिलेंडरों के प्रकार, आग बुझाने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कई वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ सफाई एवं सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा उपस्थित होकर प्रशिक्षण लिया गया।

मिशन परिवार विकास पखवाड़ा रैली व कार्यशाला सम्पन्न

शहडोल राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं के प्रति जागरूकता हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रैली निकाली गई एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अपर कलेक्टर बालक छात्रावास विचारपुर का किया निरीक्षण

शहडोल अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के छात्रावास विचारपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने कहा कि बालक छात्रावास में रह रहे बालकों को निर्धारित मीनू के अनुसार नाश्ता भोजन उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता बेहतर हो यह भी सुनिश्चित करें।

साथ ही अपर कलेक्टर ने बालक छात्रावास के किचेन कक्ष का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता परखी।

युवा संगम मेला आज न्यू रामनगर में

सतना शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना के सहयोग से सतना एवं मैहर जिले के न्यू रामनगर में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मैहर जिले के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर न्यू रामनगर में 17 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक मेले का आयोजन किया जा रहा है।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी आज सतना आयेंगी

सतना प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 17 अप्रैल को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

अवकाश के बावजूद सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूं की खरीदीः खाद्य मंत्री श्री राजपूत

खाद्य मंत्री की सख्त हिदायत, उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

अनुसूचित स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी-प्रहलाद पटेल

सतना स्थानीय टाउन हाल में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव से संबंधित जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि लोक कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की गति को अनवरत बनाये रखने एक राष्ट्र-एक चुनाव देश हित में है।

उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी। देश में बार-बार चुनाव कराने से लोगों में वैमनस्यता तथा झगड़े बढ़ते हैं। देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में चुनाव महत्वपूर्ण है। देश विकास और विचार के साथ चलता है। देश में बार-बार चुनाव कराया जाना देश हित में नहीं है। भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सभी समाज के व्यक्ति आगे आये। मंत्री श्री पटेल ने देश की आजादी के बाद हुए पहले चुनाव से लेकर अब तक चुनावों के बीच निर्वाचन में हुए सुधार एवं कमियों को दूर करने में किये गये कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। देश में करीब 140 करोड़ जनसंख्या है। एक राष्ट्र-एक चुनाव में सभी अपनी सहमति दे जिससे फिजूल खर्ची कम होगी और देश के विकास में गति आयेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि पंचायती चुनावों में 4 प्रकार से मतदान किया जाता है।

इसी प्रकार एक राष्ट्र-एक चुनाव में भी मतदान किया जा सकता है। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, संयोजक डॉ. कृष्ण द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आभार प्रदर्शन नगर निगम अध्यक्ष लालन चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा भारत माता एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का साफा पहनाकर एवं अजगर माला से स्वागत किया गया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, ऊषा चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, मनसुख पटेल, संयोजक श्री चन्द्र द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

गौवंश संरक्षण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारी

समाज एवं प्रशासन की साझेदारी से गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के होंगे प्रयास

सीधी जल गंगा संवर्धन अभियान के साथ जिले में ''गौवंश संरक्षण अभियान'' भी संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन तथा जिले के जनप्रतिनिधि, समाज की जनभागीदारी के माध्यम से गौवंश का संरक्षण तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सके, जिससे गौवंश तथा जनहानि से बचाया जा सके। यह अभियान समाज और प्रशासन की साझेदारी से जन आंदोलन बन जाये तथा गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु आवश्यक कार्य किए जा सकें। यह अभियान भी 30 मार्च से 30 जून 2025 तक संचालित रहेगा। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य शासन के निर्देशानुसार गौवंश संरक्षण अभियान अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जिले अंतर्गत महात्मा गांधी मनरेगा योजनांतर्गत निर्मित समस्त गौशालाओं को पूर्ण करने हेतु क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा ग्राम पंचायतों के द्वारा अभियान अंतर्गत सतत् रूप से निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण कर कार्य पूर्ण करायेंगे।

जनपद, ग्राम पंचायतों, उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग को ''गौवंश संरक्षण अभियान'' को ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक प्रचार-प्रसार कर अभियान का क्रियान्वयन का दायित्व निष्पादन करेंगे।उपखण्ड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की जिम्मेदारी होगी कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा उपसंचालक पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी से समन्वय कर जिले के प्रमुख राष्ट्रीय एवं राजमार्ग का चिन्हांकित करना जहां पर अत्यधिक दुर्घनाएँ होती है।

सीधी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग, सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग, सीधी-मड़वास राजमार्ग, सीधी-ब्यौहारी राजमार्ग, सीधी-मऊगंज राजमार्ग, अन्य मार्ग जहां पर गौवंश दुर्घटनाएँ संभावित है। जिन ग्राम पंचायतों या स्थान पर अत्यधिक गौवंश सड़क पर पाये जाते है, उन स्थानों का चिन्हांकित कर गौवंश को गौशाला में सुरक्षित कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करेंगे।

मां षारदा देवी मंदिर में षीघ्र दर्षन सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी

मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक में अनेक निर्णय

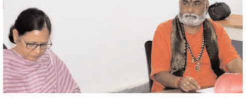

सतना धार्मिक और पवित्र मैहर नगर में स्थित मां शारदा देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों को न्यूनतम दर पर शीघ्र दर्शन सुविधा प्रारंभ की जायेगी। शीघ्र दर्शन सुविधा चाहने वाले दर्शनार्थियों को 1100 रूपये की टिकट पर मुफ्त रोपवे से आना जाना, मंदिर में मां शारदा के सुलभ दर्शन की व्यवस्था के बाद समिति की ओर से चुनरी प्रसाद भी भेंट किया जायेगा।

इस आशय के निर्णय मंदिर प्रबंधन समिति की अध्यक्ष कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में बुधवार को मंदिर समिति की संपन्न प्रथम बैठक लिये गये। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं एसडीएम विकास सिंह, प्रधान पुजारी पवन पाण्डेय, सचिन मिश्रा, मैनेजर रोपवे असरफ अली, शासकीय और अशासकीय सदस्य भी उपस्थित थे। मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति का आय-व्यय पत्रक वर्ष 2024-25 एवं आगामी बजट 2025-26 पर चर्चा की जाकर अनुमोदन किया गया। बैठक में चैत्र मेला व्यवस्था के तहत दर्शनार्थियों की सुविधा व्यवस्था के लिए किये गये कार्यों तथा इस पर हुए व्यय की कार्योत्तर स्वीकृति भी दी गई। बैठक के अन्य बिंदुओं में बताया गया कि दामोदर रोपवे 2009 से शुरू किया गया है। जिसकी ट्राली पुरानी होने से बदलना आवश्यक है। इस संबंध में निर्णय लिया गया कि इस कार्य के लिए स्टीमेट और रोपवे अपग्रेड का प्लान अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाये।

राजस्व संबंधी समस्त कार्य समय.सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किये जाए. आयुक्त

शहडोल राजस्व संबंधी समस्त कार्य समय.सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किये जाएं। शासन द्वारा आरसीएमएस नामांतरण बंटवारा सीमाकंन नक्शा तरमीम डायवर्सन के प्रकरणों के निराकरण की समय.सीमा में तय की गई है। जिसके न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी नियमित रूप से न्यायालय में बैठे तथा प्रकरणों का निराकरण करें। जिन न्यायालयों में 10 प्रतिशत से कम प्रकरणों का निराकरण हुआ है पीठासीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी की जाए। संबंधित एसडीएम नियमित रूप से तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालयों का निरीक्षण करें तथा समय.सीमा से बाह्य प्रकरणों के निराकरण के संबंध में पीठासीन अधिकारियों को निर्देशित करें यह निर्देश आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आयुक्त कार्यालय के अमरकंटक कक्ष के सभागार में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर शहडोल डॉण् केदार सिंहए कलेक्टर उमरिया श्री धरणेंद्र जैनए अपर कलेक्टर अनूपपुरएसंभाग के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा एसडीएम उपस्थित रहें। आयुक्त शहडोल संभाग ने कहा कि शासन द्वारा आरबीसी में प्रभावित परिवारों को तत्कालिक सहायता देने का प्रावधान किया गया है। संबंधित अधिकारी ऐसे प्रकरणो में संवेदनशीलता बरतें।

झूलेलाल जयंती की शोभा यात्रा एवम कैलाश आहूजा को फ्लो से तौला जायेगा

'रीवा जिले के सिंधी समाज की सामाजिक व धर्मार्थ कार्यों की अग्रणी संस्था श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति जानकी पार्क रीवा् के संरक्षक श्री कैलाश आहूजा ;खट्टू भाईद्धके अथक प्रयासों से समिति द्वारा पिछले तीस वर्षों से निशुल्क प्याऊएभगवान श्री झूलेलाल जयंती की शोभा यात्रा बहराणा झूलेलाल जी का छठी महोत्सव निशुल्क आनंद मेलाए पितृ तर्पण हेतुगया के लिए निशुल्क बस सेवाए गुरुनानक देव जी का छठी महोत्सवए समाज की सिंधीयत को बढ़ाने के लिए बच्चो के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजनए संतजनों के अवतरण पर सेवाए आदि मे निष्काम भाव से सेवा कर रही है संस्था के सेवा भाव को देखते हुए अपने समाज के गणमान्यों द्वारा समिति के प्रोत्साहन के लिए श्री कैलाश आहूजा जी को सम्मानित करने का निर्णय लिया है जिसमें आप सभी उपस्थित रहकर समिति को आशीर्वाद व मार्गदर्शन करें सामाजिक व्यक्तियों द्वारा आगामी 18 अप्रैल दिन शुक्रवार शाम 5रू00 बजे हेमू कॉलोनी चौक पर कैलाश जी का सम्मान किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसमे कैलाश आहूजा को फ्लो से तौला जायेगा व सभी फ्ल गरीबों को वितरण किये जाएगे'??

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में जनजातीय समाज के योगदान पर कार्यशाला सम्पन्न

सीधी शासकीय महाविद्यालय मड़वास में ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में जनजातीय नायकों के योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पन्नालाल कोल वनवासी विकास परिषद रीवा उपस्थित थे। इस अवसर पर आपने जनजातीय समाज के द्वारा किये गए संघर्ष को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रामनिवास गुप्ता नगर अध्यक्ष वनवासी विकास परिषद जिला सीधी उपस्थित थे। आपने स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज के द्वारा दिये गए योगदान की चर्चा की। कार्यशाला में महाविद्यालय के डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने जनजातीय समाज के बारे में बताया। महाविद्यालय की छात्रा कुमारी अर्चना वर्मा ने जनजातीय समाज के नायक तिलका मांझी के संघर्षों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमे जनजातीय समाज की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यो से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यशाला का सफल संचालन कार्यक्रम एवं विषय प्रवर्तन संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया। आभार प्रदर्शन सहसंयोजक डॉ. पंकज मिश्रा ने किया। कार्यशाला में महाविद्यालय परिवार से डॉ. आकांक्षा मिश्रा डॉ. संगीता मिश्रा डॉ कमलेश जायसवाल डॉ अनुराग तिवारी डॉ रामधारी जायसवाल डॉ सुरेंद्र गुप्ता डॉ ज्योति मौर्य डॉ निशा सिंह प्रो.प्रवीण कुमार सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राए उपस्थित थे।

समग्र ई-केवायसी के कार्य में गति लायें-कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

सतना कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने समग्र पोर्टल में नागरिकों के समग्र आईडी का आधार के साथ शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण कराने के कार्य में गति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। बुधवार को सम्पन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकायवार एवं जनपदवार ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, डीपीओ सौरभ सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सीईओ जनपद ओपी अस्थाना, एमएल प्रजापति, नगर पालिका सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि प्रदेश में समग्र पोर्टल में नागरिकों के समग्र आईडी का आधार के साथ शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण कराने का अभियान 31 मई तक चलाया जा रहा है। जिले में लक्ष्य पूर्ति के अनुरूप प्रगति लाये। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान अवधि में सभी ग्राम पंचायत और वार्ड लेवल पर शिविर लगाये जा रहे हैं।

इनमें वार्ड प्रभारी और ग्राम रोजगार सहायक, सचिव तथा सेवा प्रदाता एजेंसी, एमपी ऑनलाइन, सीएससी, एलएसके के माध्यम से ई-केवायसी कराये। नागरिकों के लिए यह सेवा निःशुल्क है। इसके लिए राज्य शासन की ओर से निर्धारित दरों के अनुसार प्रति समग्र ई-केवायसी करने पर सेवा प्रदाता एजेंसी और जीआरएस, सचिवों को राशि भुगतान भी किया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि प्रदेश स्तर की ग्रेडिंग में अब समय कम है। अवकाश के दिनों में सीएम हेल्पलाइन में फेकस करते हुए ग्रेडिंग में सुधार लाये। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर विशेष ध्यान दें और संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर विशेष जोर दे। सी और डी ग्रेड रहे विभागों को पत्र लिखते हुए उन्होंने सभी विभागों को ए श्रेणी में आने का प्रयास करने के निर्देश दिये।

निर्माण व विकास कार्यों तथा योजनाओं का क्रियान्वयन समय सीमा में हो. विश्वामित्र पाठक

सिंगरौली कीर्ति प्रभा क्षेत्र में स्वीकृत सभी निर्माण व विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता से कराएं जिससे हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उक्त आशय के विचार क्षेत्रीय विधायक विश्वामित्र पाठक ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। दिनांक 16ण्04ण्2025 को बहरी तहसील सभागार में विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की खण्ड स्तरीय समीक्षा बैठक विश्वामित्र पाठक के विधायक सिहावल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। बैठक में सभी विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा हुई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान पूर्व में स्वीकृत बैलेंस हैंडपंपों का खनन कराने पेयजल की दृष्टि से समस्याग्रस्त स्थानों में हैंडपंपों का खनन तथा बिगड़े हैंडपंपों का सुधार तत्परता से कराने के लिए कहा गया। जल निगम की समीक्षा में पाइप लाइन एवं टंकी निर्माण का कार्य में गुणवत्ता एवं शीघ्रता से कराने के लिए निर्देशित किया। जनपद की समीक्षा में जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक सामूहिक एवं हितग्राही मूलक कार्य कराने एवं जल स्रोतों की मरम्मत कराएन सोख्ता गड्ढा बनवाने के लिए कहा गया।प्रधानमंत्री जनमन योजना से सभी बैगा परिवारों को आवास दिलाने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना भाग 2 के सर्वे में सतत मॉनिटरिंग करने एवं सभी पात्रों का नाम जोड़ने के लिए कहा गया। सभी अस्पतालोंए आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था कराने के लिए कहा गया। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए जल निगम एवं लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नल जल योजना का कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढंग से समय पर पूरा करने के लिए कहा गया।

जल स्रोतों को पुनर्जीवन देने के लिए स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किया जा रहा श्रमदान

सीधी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा पूरे जिले में जन जागरूकता, संगोष्ठी, रैली, दीवार लेखन एवं पेंटिंग के माध्यम से जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के दिशा निर्देशानुसार जिले के अंतर्गत वृहद रूप से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाने हेतु मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया द्वारा प्रयास किया जा रहे है। इस अभियान में जन अभियान परिषद का समस्त अमला परामर्शदाता विनय तिवारी, परामर्शदाता अजीत वर्मा, रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के पदाधिकारी, नवांकुर समिति अवध स्मृति ग्रामीण युवा विकास समिति पटेहरा सीधी खुर्द के अध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान द्वारा अनेकों प्रकार की गतिविधि संचालित करके योजना को सफल एवं जन जन तक पहुंचाने का कार्य हो रहा है। इसी क्रम में 14 अप्रैल को विकासखंड सीधी चौफाल सेक्टर क्रमांक 4 के चौफाल कोठार पंचायत में स्थित नलकूपों के आसपास की साफ सफाई एवं जागरूकता हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

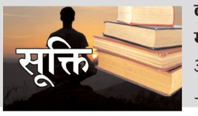

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है।

- वीर सावरकर

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरुआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ला पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व ?विधायक एवं महामंत्री महेश वसावा ने कांग्रेस का पल्ला गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगें और नीति-निर्माण में अहमियत देने की माँग अब केवल दबे स्वर मे नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दर्शाती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। ?बिहार के मुख्यमंत्री नी?तिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने ?जिस तरह से सेंध लगाई है उससे ?बिहार में जनता दल का अ?स्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा ?बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्र?ति?क्रिया सहयोगी दलों में देखने को ?मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को ?मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब च्वन नेशन, वन पॉलिसीज् जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है।

इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है। भाजपा और केंद्र सरकार में अभी जो एकाधिकार है। सहयोगी दल उपे?क्षित महसूस कर रहे हैं। एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दल अपनी बात खुलकर सामने रख रहे हैं। अगर इनकी अनदेखी की गई, तो यह बगावत का कारण बन सकता है। जो केंद्र सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। भाजपा को बदली हुई परिस्थितियों में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए संवाद की नीति सहयोगी दलों के साथ अपनाना होगी। केंद्र सरकार और भाजपा को सभी साझेदारों को सम्मान और उनकी मांग को प्राथमिकता देना होगी।तभी मज़बूत गठबंधन कायम रह पाएगा। जिस तरह की चुनौती वर्तमान में केंद्र सरकार को मिल रही है।उसमे बढता आर्थिक संकट ,महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक एवं राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ देश मे बदल रहे हैं। सहयोगी दलों के बगावती स्वर केवल असहमति नहीं,बल्कि भाजपा के लिए एक चेतावनी भी हैं। लोकतंत्र में सत्ता साझा करना स्थायित्व की कुंजी है। सहयोगी दलों को ऐसा लगता है आगे चुनाव जीतना या चुनौतियों का मुकाबला भाजपा के लिए मुश्किल होगा। ऐसी स्थिति में सहयोगी दल अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए पाला बदलने में देर नहीं करेंगे अभी तक गठबंधन का यही हश्र देखने को मिला है। समय रहते हुए मोदी-शाह की जोड़ी को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। मोदी-शाह की पकड़ शनैः शनैः कमजोर होती जा रही है।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

प्रजातंत्र के स्तंभों में शक्ति प्रदर्शन् स्पर्द्धा...

क्या अठहत्तर वर्षिय हमारा प्रजातंत्र अब इतना बुजुर्ग हो गया है कि उसे च्अधिकारज् की लाठी टेककर चलना पड़ रहा है? यहीं नहीं उसे यह दिखाना भी पड़ रहा है कि उसके हाथ में लाठी है? वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं है, वह तो अब समय ही ऐसा आ गया है, जब प्रजातंत्र को दिखावे के लिए यह सब करना पड़ रहा है, जरा सोचिये.... जब प्रजातंत्र का हर एक अंग एक-दूसरे के सामने अपने को ज्यादा ताकतवर दिखाने के लिए शक्ति प्रदर्शन करें तो फिर स्तंभों के सामने और कोई विकल्प ही क्या है? जब विधायिका अपने आपको खुदा मानने लगे, न्यायपालिका अपनी सर्वोच्चता प्रकट करें, कार्यपालिका की अहमियत खत्म होने लगे, तक बैचारे प्रजातंत्र की क्या स्थिति होगी और जहां अघोषित चैथे स्तंभ खबर पालिका का सवाल है, वह विक्रय की वस्तु बन जाए तो फिर प्रजातंत्र का रक्षक कौन? ऐसी स्थिति में तो उसकी च्अकाल मृत्युज् सुनिश्चित ही है, आज यही स्थिति है।

भारत में आज यही परिदृष्य है, न्यायपालिका अपने आपको सर्वोच्च मान राष्ट्रपति जी को निर्देश दे रही है कि वे संसद द्वारा पारित विधेयकों पर तीन माह की समयावधि में अपना मन्तव्य स्पष्ट करें, उन्हें मंजूरी देनी है या नहीं? यह स्पष्ट करें और यदि किसी कारण से इस समयवधि से भी अधिक देरी होती है तो राष्ट्रपति को मंजूरी में देरी का लिखित में कारण बताना होगा। जहां तक हमने अभी तक पढ़ा है, सीखा है, वह यही है कि हमारे प्रजातंत्र की सर्वोच्च शख्सियत राष्ट्रपति होता है, वही सरकार का प्रमुख होता है, प्रधानमंत्री नहीं? फिर प्रजातंत्र की सर्वोच्च इस हस्ती को निर्देशित करने की यह हिम्मत न्यायपालिका ने कैसे जुटाई? इसी बीच देश की आजादी के बाद पहली बार विधानसभा में पारित हुए एक दर्जन विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बगैर तमिलनाडू सरकार ने अधिसूचित कर दिया, इससे राज्यपाल की मंजूरी के बगैर ये कानून के रूप में लागू हो गए।

इन उदाहरणों से यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे प्रजातांत्रिक देश में भी स्वेच्छाचारिता का राज चल रहा है और च्सत्तारूढ़ज् वही सब करता है जो उसे करना है, उसे कोई भी कानून रोक नहीं पा रहा है.... अर्थात् शीर्ष से निम्न स्तर तक स्वेच्छाचारिता जारी है और कानून लाल बस्ते में सिसकियां ले रहा है। अब सवाल यह है कि क्या देश की सर्वोच्च अदालत को राष्ट्रपति के सामने इस तरह पेश होना चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय यहीं तक सीमित नहीं रहा, उसने तो राष्ट्रपति को यहां तक कह दिया कि- च्च् राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटों का अधिकार नही है, इसलिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीनें में विधेयकों पर फैसला लेना कानूनन अनिवार्य हैज्ज्, मतलब यह कि अब सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति जी के प्रति भी सख्त सीख अपनाने लगा है, आज स्वेच्छाचारिता का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है? इसी तरह के प्रजातंत्र के दौर से आज देश गुजरने को मजबूर है। मतलब यह कि प्रजातंत्री देश में शायद पहली बार तमिलनाडू में बिना राज्यपाल की मंजूरी के दस विधेयकों ने कानूनी रूप धारण कर लिया।

यह तो महज एक उदाहरण है, देश के विभिन्न राज्यों में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएगें जहां प्रजातंत्र का हर स्तंभ अपना शक्ति प्रदर्शन कर दूसरे स्तंभों से अपने आपको शक्तिशाली प्रदर्शित करता दिखाई देगा। अब किया क्या जाए? प्रजातंत्र की सबसे अहम् शख्सियत च्प्रजाज् तो बैचारी च्दर्शकदीर्घाज् में बैठा दी गई है, इतनी लम्बी अवधि में उसे उसकी शक्ति का अहसास तक नही होने दिया गया है, तो फिर देश में ऐसे च्तमाशोंज् के अलावा हो ही क्या सकता है? अब तो देश और प्रज की यही परिणति है और यही आगे भी चलता रहेगा। हाय.... हमारा प्रजातंत्र.... और हम....।

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

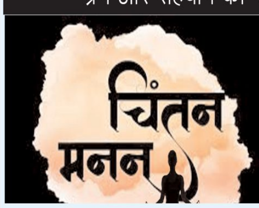

जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं

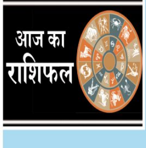

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोल, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व, तिथि चौथ, गुरुवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, वलयोगे, वालव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, रोग विमुक्त, स्नान मुहूर्त, सर्वार्थ सिद्ध योग, अमृत योग 53/21 दिशा दोष तथापि आर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, लकड़ी तथा आग मशीन का व्यापारी, धनी होगा।

मेष राशि :- अपने व्यय पर नियंत्रण रखें, चिन्ता, भ्रमण तथा अशांति से बचें, कष्ट होगा।

वृष राशि :- कोई शुभ समाचार हर्षप्रद रखें, थकावट, बेचैनी तथा धन अच्छा व्यय होगा।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब से तनाव, क्लेश व अशांति तथा मानसिक विभ्रम अवश्य होगा।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें तथा व्यय अनायास होगा।

सिंह राशि :- स्त्री-वर्ग से कष्ट व चिन्ता, व्यय, व्यवसाय व कार्य उत्तम बन जायेंगे।

कन्या राशि :- अधिकारियों के तनाव तथा क्लेश से बचिये, दैनिक कार्यगति में बाधा होगी।

तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, अग्नि-चोटादि का भय होगा।

वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य में बाधा होगी, बने कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी तथा तनाव बनेगा, परिश्रम विफल होगा, शांत रहें।

मकर राशि :- चोट, कष्टादि का भय, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य की हानि होगी।

कुंभ राशि :- स्त्री-वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति तथा मानसिक विभ्रम होगा।

मीन राशि :- समय ठीक नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें तथा अनायास विभ्रम से अवश्य बचें।

भगवान जब जीवन देता है तो सही सही उम्र भी दे?

भगवान जब जीवन देता है तो सही सही उम्र भी देद्य आगाह अपनी मौत से कोई बसर नहीं सामान सौ वर्ष का है पल भर की खबर नहीं हैद्य मौत का कोई कैलेंडर नहीं होताद्य मौत का समय, स्थान, निर्धारित है अक्सर देखा गया है कि आज छोटे छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक की अकाल मृत्यु हो रही हैद्य जन्म लेते ही बच्चों की मौत हो जाती हैद्य बीमारी से मौत हो रही है, सड़क हादसों में लोग मारे जा रहे हैंद्य छोटे छोटे बच्चे अनाथ हो रहे हैं, छोटी उम्र में बेटियां विधवा हो रही हैं उनके सुहाग उजड़ रहे हैंद्य सुहाग उजड़ने के बाद उनका जीवन तबाह हो जाता हैद्य जिंदगी काटना मुश्किल हो जाती हैद्य मौत एक अटल सच्चाई है जो पैदा हुआ है वह एक दिन दुनिया से रुख़सत होगाद्य मौत क़ो कोई नहीं टाल सकताद्य राजा महाराजा सब क़ो मौत नसीब होती है मौत से कोई नहीं बच पाया हैद्य मौत क़ो आज तक कोई नहीं बांध पाया हैद्य मौत एक शाश्वत सच्चाई हैद्य जीवन अनमोल हैद्य मानव क़ो अपना जीवन सही तरीके से जीना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिएद्य मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ होता हैद्य आज लोग जीवन क़ो बर्बाद कर रहे हैद्य युवा से लेकर बुजुर्ग तक नशेड़ी बन चुके हैंद्य युवा नए नए नशे कर रहे हैं और अपना जीवन नर्क बना रहे हैंद्य अल्प मृत्यु हो रही हैद्य सुख दुःख जीवन की धूप छावँ हैद्य दुनिया मै कोई भी इंसान सुखी नहीं है सुख दुःख जीवन मै आते जाते रहते हैंद्य आज सुख है कल क़ो दुःख भी झेलना पड़ सकता हैद्य ईश्वर क़ो सुख दुःख मे बराबर याद रखना चाहिए ताकि एक संतुलन बना रहेद्य सुखी वही मानव है जो सुख दुःख मै अपने क़ो ढाल लेता है क्यूंकि जिंदगी मे कई परिस्थितियां बनती रहती है जिसने परिस्थिति क़ो संभाल लिया वही विजेता हैद्य सुख दुःख सदा नहीं रहताद्य अपना अपना भाग्य हैं कहीं कोई रोटी क़ो तरसते हैं तो कहीं खाना नालियों मे फेंका जाता हैंद्य किसी के पास अकूत सम्पति है तो कोई एक एक पैसे क़ो तरस रहा हैद्य वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रूप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।फितरती मानव रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है। मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता प्रकृति से उपर कोई नहीं है।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए।कभी भी किसी इंसान क़ो छोटा नहीं समझना चाहिएद्य वक़्त बदलते देर नहीं लगती राजा से रंक बनने में एक पल नहीं लगताद्य आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीड़े-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की रौनक फीकी पड़ जाती हैद्य मानव क़ो हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए किसी से विश्वासघात नहीं करना चाहिएद्य सुख दुःख मे एक दूसरे का साथ देना चाहिएद्य मतलबी नहीं बनना चाहिएद्य मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ हैद्य अहंकार से दूर रहना चाहिए संस्कारों क़ो अपनाना चाहिएद्य बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिएद्य किसी गरीब क़ो दुःख नहीं देना चाहिएद्य अपनों से चालाकियाँ नहीं करनी चाहिएद्य जीवन क्षण भंगूर हैद्य किसी की कोई गारंटी नहीं है

नये वक्फ कानून से दिक्कत किसे है

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 8 अप्रैल को देशभर में वक्फ संशोधन कानून 2025 लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है। वक्फ संशोधन विधेयक को पिछले सप्ताह संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि इस कानून को कई मुस्लिम संगठनों और राजनेताओं ने अल्पसंख्यक हितों के खिलाफ बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। देश के अलग-अलग भागों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर कांग्रेस समेत देश के विपक्षी दल इसके विरोध को हवा दे रहे हैं। इस कानून के विरोध में याचिका दाखिल करनेवालों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के प्रतिनिधि समेत 12 लोग शामिल हैं। उधर, केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर मांग की है कि मामले की सुनवाई की पूर्व सूचना उसे भी दी जाए ताकि समय रहते वह भी अपना पक्ष रख सके। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर में च्वक्फ बचाव अभियानज् शुरू कर दिया है। इसके तहत एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। यह अभियान 7 जुलाई तक चलेगा। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर इस कानून में क्या है जिससे मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों का च्इस्लामज् खतरे में आ गया है।दरअसल, विपक्ष और नये वक्फ कानून का विरोध करनेवालों का कहना है कि सारा विवाद वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर कब्जे को लेकर है। देशभर में वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ की जमीन है। इससे ज्यादा भूमि का स्वामित्व रेलवे और सशस्त्र बलों के पास है। वक्फ बोर्डों के पास यह सम्पत्तियां मुसलमानों द्वारा दान की गई हैं, जिन पर दरगाह, मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा, दुकान आदि स्थापित हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 6815

1		2	3		4		5	6	
		7							
	8						9		10
11		12		13		14			
				15	16		17	18	
19	20		21			22			
	23					24			25
26			27	28					
		29				30	31		
32				33					

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6814

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंची पीएसजी

बर्मिंघम। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के को 5-4 हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। पीएसजी की ओर से अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस ने गोल दागो। दूसरे चरण में हालांकि पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार झेलनी पड़ी। पहले चरण में 3-1 से मिली हार के बाद एस्टन विला ने भी वापसी के प्रयास किये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नूनो मेंडेस ने शानदार पास पर हकीमी ने गोल किया।

विराट ने कई पोस्ट हटाने पर दिया ये जवाब

मुम्बई। आजकल आईपीएल खेल रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अचानक ही अपने अकाउंट से प्रमोशन, पेड पार्टनरशिप और विज्ञापनों से जु? सभी पोस्ट हटा लिए हैं। उन्होंने इन पोस्ट्स को रील सेक्शन में डाल दिए दिया। कोहली के ऐसा करते ही सोशल मीडिया पर कई तरह ही अटकलें लगायी जाने लगीं। वहीं इसी को लेकर अब विराट ने अपनी ओर से सफाई दी है।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित , वाडेकर और पवार के नाम पर होंगे स्टैंड - एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने कहा है कि यहां के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम के स्टैंड बनेंगे। एमसीए की सलाना बैठक में ये फैसला किया गया। पारित प्रस्ताव के अनुसार, दिवेचा पवेलियन के तीसरे तल्ले को अब रोहित शर्मा स्टैंड के नाम से जाना जाएगा, ग्रैंड स्टैंड के तीसरे तल्ले का नाम पूर्व आईसीसी चेयरमैन पवार के नाम पर रखा जाएगा।

धोनी लंगड़ाते दिखे, सीएसके की मुश्किलें बढ़ीं

लखनऊ। इस सत्र में खराब दौर से गुजर रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद एक बार फिर कप्तानी संभाल रहे महेन्द्र सिंह धोनी भी लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबले के बाद लंगड़ाते हुए दिखे। इससे प्रशंसकों के साथ ही सीएसके की भी परेशानी बढ़ गयी है। इससे उनकी फिटनेस पर भी सवाल उठने लगे हैं।

यजुवेंद्र चहल का जादू चला, पंजाब ने किया सबसे छोटा स्कोर डिफेंड

मुल्लांपुर । आईपीएल के 31वें मैच में पंजाब किंग्स ने कम स्कोर बनाने के बाद भी कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। और आईपीएल का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड कर दिखाया।

मुम्बई और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई। मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछ्ले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम भी अच्छी स्थिति में नहीं है। इस बार उसके बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। पहले मैच में टीम ने 286 रन बनाये थे पर उसके बाद से ही उसके लिए 200 रनों तक पहुंचा भी संभव नहीं हुआ है हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ वह 246 रन के लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही जिससे टीम प्रेरित होना चाहेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अभिषेक ने 141 रन बनाए थे। अंक तालिका में सनराइजर्स की टीम अभी नौवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रियान रिकेल्टन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, विल जैक, तिलक वर्मा, , नमन धीर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर, कर्ण शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, एहसान मलिंगा।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा।

रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं? आखिरकार यह आपका फैसला है। वहीं अगर आप नीलामी में शामिल होते हैं, तो हम आरटीएम के जरिये आपको ले सकते हैं।

' वहींमैंने उनसे कहा कि मुझे रिटेन होने में खुशी होगी क्योंकि एक बार जब आप नीलामी में शामिल हो जाते हैं, तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप उसी टीम में होंगे और मैं केकेआर नहीं छोड़ना चाहता था। मेरे लिए, कुछ करोड़ कम होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मैं उनकी बात का सम्मान करना चाहता था। गौरतब है कि रमनदीप को साल 2022 में मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या के संभावित विकल्प के रूप में चुना था हालांकि जब हार्दिक आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से फ्रैंचाइजी में वापस आए, तो उन्हें केवल पांच मैच खेलने के बाद रिलीज कर दिया गया।

वहीं नवंबर 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रमनदीप एक बार फिर नजरों में आये। केकेआर ने आईपीएल 2024 से पहले उन्हें शामिल कर लिया।

चहल ने कंधे में चोट के बाद भी बदल दिया मैच - पोंटिंग

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में युजवेन्द्र चहल ने कंधे में चोट के बाद भी जोखिम लेकर जबरदस्त गेंदबाजी की। इस मैच में पंजाब की टीम 112 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव कर रही थी। पोंटिंग ने कहा कि इतने छोटे से लक्ष्य का बचाव आसान नहीं था पर चहल कुछ अलग ही सोचकर आये थे। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए अपना सबसे अच्छा स्पैल फेंका।

पोंटिंग ने कहा कि मैच से पहले चहल का फिटनेस टेस्ट होना था। पिछले गेम में उसे कंधे में चोट लग गई थी और मैंने उसे वार्म-अप करने के लिए कहा। मैंने उससे पूछा कि तुम ठीक हो? तो उसने कहा कोच मैं 100 फीसदी सही हूं, मुझे खेलने दो।

हमने कुछ खतरा उठाया पर उसका अच्छा परिणाम रहा। हम भले ही यह मैच हार जाते तो भी दूसरे हाफ में हम जिस तरह से हमने खेला उसपर मुझे गर्व होता। हमारी बल्लेबाजी खराब थी, शॉट चयन और क्रियान्वयन सभी खराब थे पर जिस प्रकार से हमने शुरुआत में ही विकेट ले लिए, तो हमने पाया कि हम गेंद पर विश्वास और मैदान में ऊर्जा की कमी महसूस कर रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि जिस तरह से हमने गेंद के साथ चीजों को बदला उससे सब कुछ संभव हुआ। इस तरह की जीत हमेशा सबसे अच्छी होती है

ऋषभ को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करना होग - जाफर

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत से कहा है कि उन्हें हर मामले में बेहतर होना होगा। ऋषभ आईपीएल के शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में 63 रन बनाकर उन्होंने अच्छी वापसी की है पर जाफर ने कहा कि उन्हें स्ट्राइक रोटेशन में भी सुधार करना होगा। जाफर ने ऋषभ की बड़े शॉट लगाने के रवैये पर भी बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कप्तान को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है। जाफर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना) उसी प्रकार चाहिये जिस प्रकार विराट कोहली करते हैं। वह स्ट्राइक से बहुत अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है पर ऋषभपंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी होनो होगा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह कभी भी सीधे हिट करने के प्रयास नहीं करता, वह हमेशा लेग साइड, स्क्वायर लेग, काउ कॉर्नर की ओर जाता है। उसने सीएसके के खिलाफ अंत में एक सीधा छक्का लगाया। अन्यथा, पारी की शुरुआत में, वह हमेशा लेग साइड की ओर जाने की कोशिश करता था।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश दौरे के लिए घोषित किया कार्यक्रम

तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी टीम

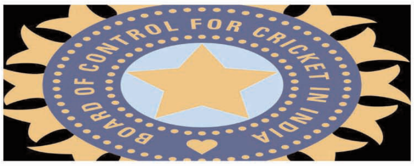

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अनुसार भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले मीरपुर और चटगांव में खेले जांएगे। भारतीय टीम पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर की सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक होगी। भारतीय टीम ने सभी प्रारुपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानक स्थापित किए हैं और दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले से उत्साहित रहेंगे।' इससे पहले भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम बार द्विपक्षीय सीरीज सितंबर और अक्टूबर 2024 में भारत में खेली गयी थी। तब भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज और टी20 दोनो में ही सभी मुकाबले जीते थे।

वहीं इस बार बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। इस सीरीज में उभरते खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को भी अवसर मिल सकता है जो आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे की शुरुआत एकदिवसीय सीरीज से करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में सीरीज का पहला एकदिवसय मैच 17 अगस्त (रविवार) को मीरपुर में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 20 अगस्त (बुधवार) को मीरपुर में व तीसरा व अंतिम मुकाबला 23 अगस्त (शनिवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। टी20 सीरीज का पहला मैच 26 अगस्त (मंगलवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 मैच 29 अगस्त (शुक्रवार) को मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा।

घरेलू स्तर पर आयुष का रहा है शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स ने कोहनी की चोट के कारण बाहर हुए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह 17 साल के युवा आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया है। आयुष ने इस दौरान रेस में पृथ्वी शॉ को पीछे छोड़ा जबकि माना जा रहा था कि अनुभवी होने के कारण पृथ्वी को अवसर मिलेगा। आयुष ने हाल के दिनों में घरेल स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा था। आयुष मुंबई की ओर से खेलते हैं। इस क्रिकेटर ने 9 फर्स्ट-क्लास मैचों के साथ-साथ ही सात लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। फर्स्ट-क्लास मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

आयुष को सीएसके ने 30 लाख के आधार मूल्य पर शामिल किया है। इस उभरते खिलाड़ी ने हाल ही में मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छी शुरुआत करते हुए सीएसके की ओर से ट्रायल्स भी दिए थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 31.50 की औसत से एक अर्धशतक और दो शतक से 504 रन बनाकर प्रभावित किया था।

जहीर खान बने पापा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर जहीर खान पापा बन गये हैं। उनकी पत्नी अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने बेटे को जन्म दिया है। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीरें साझा करते हुए ये जानकारी दी। इस तस्वीर में जहीर अपने बच्चे को गोद में लिए हुए हैं और सागरिका उनके कंधे पर हाथ रखे हुए हैं। इस खबर के बाद उन्हें प्रशंसकों से बधाई संदेश मिल रहे हैं। इ दोनों की शादी 2017 में हुई थी।

इस कपल ने बेटे का नाम रखते हुए पूरे हिंदुस्तान को समाहित कर दिया। उनके बेटे का नाम फतेहसिंह खान है। उन्होंने बेटे को यह नाम क्यों दिया यह तो पता नहीं, लेकिन इस नाम के पीछे भारत में लंबा इतिहास दर्ज है। जहीर और सागरिका ने तस्वीर के साथ लिखा- प्यार, कृतज्ञता और भगवान के आशीर्वाद के साथ हम अपने अनमोल बेटे फतेहसिंह खान का स्वागत करते हैं।

इस खबर के बाद कई लोगों ने उन्हें बधाई दी। अंगद बेदी ने लिखा, वाहेगुरु। हरभजन सिंह ने लिखा, आपको दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे। हाल ही में, सागरिका घाटगे ने बताया कि उनकी प्रेम कहानी कैसे शुरू हुई। उन्होंने कहा कि जहीर उनसे बात करने में भी हिचकिचाते थे। अभिनेता अंगद बेदी ने उनकी मदद की। इसके बाद ही उनकी बातचीत शुरू हुई और 2017 में उन्होंने शादी कर ली।

रहाणे ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिमेदार बताया

'मैं इस हार की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं- अजिंक्य रहाणे'

चंडीगढ़। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 112 रनों के छोटे से लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाने के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। रहाणे ने कहा कि हमारी बल्लेबाजी निराशाजनक रही और वह अपने को भी इसके लिए दोषी मानते हैं।

इस मैच में रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के बीच 60 रनों की साझेदारी हुई थी जिससे टीम जीत की ओर बढ़ रही थी पर युजवेंद्र चहल ने रहाणे को आउट कर मैच पलट दिया। इसके बाद तो एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये। रहाणे के आउट होने के बाद केकेआर की पूरी टीम 15.1 ओवर में ही 95 रनों पर सिमट गयी। रहाणे ने कहा कि मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं। हमने अच्छा खेल नहीं खेला। हमसे गलती हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की और पंजाब किंग्स को 111 रनों पर रोक दिया पर हमारे बल्लेबाज विफल रहे। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान मेरे दिमाग में नेट रन रेट नहीं चल रहा था। हम छोटे से लक्ष्य का पीछा कर रहे थे।

हमारे प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि हम यह मैच आसानी से जीत लेंगे और नेट रन रेट भी अच्छा होगा पर हमने बल्लेबाजी में सब कुछ खो दिया। रहाणे ने कहा कि उनके बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह आसान लक्ष्य था। लेकिन, इसे हम हासिल नहीं कर सके। यह क्रिकेट का पार्ट है।

अभी हमें सकारात्मक रहना होगा क्योंकि टूर्नामेंट का आधा हिस्सा अभी भी बाकी है। इस पर ध्यान देना होगा और आगे बढ़ना होगा। वहीं दूसरी ओर चहल ने टूर्नामेंट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 रन देकर चार विकेट लिए जबकि तेज गेंदबाज मार्को जानसेन ने तीन विकेट लेकर केकेआर को ध्वस्त कर दिया।

महवश ने चहल के साथ सेल्फी पोस्ट कर सभी का ध्यान खींचा

मोहली। पंजाब किंग्स की कोलकाला नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के हीरो रहे युजवेंद्र चहल के लिए आरजे महवश ने सेल्फी पोस्ट कर इस क्रिकेटर की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने केकेआर के खिलाफ मैच में चार विकेट लेकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। इस मैच में पंजाब 112 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव कर रही थी। चहल के प्रदर्शन से महवश ही नहीं पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद खुश दिखीं। चहल जब मैच के बाद वापस आए तब प्रीति जिंटा ने उन्हें गले लगा लिया। प्रीति जिंटा के अलावा चहल की कई लोगों ने प्रशंसा की। मैच समाप्त के बाद आरजे महवश ने चहल के साथ हाल ही में ली गई सेल्फी पोस्ट की। उन्होंने सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, ÷क्या प्रतिभाशाली बंदा है। यही कारण है कि ये आईपीएल का सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। असम्भव!÷ 16 रन से हासिल की जीत पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 111 रन बनाए। सबको लगा कि केकेआरजीत जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। महवश पहले भी चहल के साथ चैम्पियंस ट्रॉफी में नजर आयीं थीं तभी से उनके चहल के साथ अफेयर की चर्चाएं हैं।

बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए नई वेकेंसी की घोषणा की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए दो अहम पदों के लिए वेकेंसी की घोषणा की है। बीसीसीआई ने बुधवार को इस फैसले की जानकारी दी और इन पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह कदम महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन और खिलाड़ियों की फिटनेस को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीसीसीआई ने हेड फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये दोनों पद बैंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में काम करेंगे।

हेड फिजियोथेरेपिस्ट का मुख्य कार्य खिलाड़ी के चोटिल होने पर उनका इलाज और रिकवरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाना होगा। फिजियोथेरेपिस्ट को खिलाड़ियों के उपचार के साथ-साथ उनके फिटनेस शेड्यूल को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी होगी। इस पद के लिए उम्मीदवार के पास स्पोर्ट्स या मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन या स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवार को फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। आवेदक का टीम या एथलीट के साथ काम करने का अनुभव होना जरूरी है, ताकि वह खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी के लिए बेहतर योजनाएं बना सके।वहीं, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच का काम खिलाड़ियों के फिटनेस और शारीरिक ताकत को बढ़ाने का होगा। इस कोच को खिलाड़ियों के वॉर्मअप शेड्यूल, मैच से पहले प्रैक्टिस और फिटनेस प्रोग्राम बनाने की जिम्मेदारी सौपी जाएगी। यह कोच यह सुनिश्चित करेगा कि खिलाड़ी शारीरिक रूप से फिट रहें और मैच के दौरान किसी प्रकार की शारीरिक समस्याओं से बचें। इस पद के लिए कम से कम 7 साल अनुभव की आवश्यकता है।

रंगसंसार

आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं मिकी राउरके

हॉलीवुड फिल्म आयरन मैन 2 में विलेन का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता मिकी राउरके इस समय बेहद कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मिकी ने अपने संघर्षों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और उन्हें कोई भी फिल्म ऑफर नहीं मिल रही है। अभिनेता ने कहा कि अब उन्हें यह महसूस होने लगा है कि उनका अभिनय करियर खत्म हो चुका है। मिकी राउरके की यह स्थिति उनके प्रशंसकों के लिए चौंकाने वाली और निराशाजनक है, क्योंकि उन्होंने हमेशा अपनी शानदार अदाकारी के लिए सराहना पाई है। उनके इस बयान से यह साफ हो गया है कि वह अपने करियर की वर्तमान स्थिति को लेकर बहुत निराश हैं। मिकी राउरके का संघर्ष उनके लिए एक कठिन समय साबित हो रहा है, और उनका यह बयान इस बात को दर्शाता है कि वह एक नई दिशा की तलाश में हैं।

अभिमन्यु सिंह का बॉलीवुड पर हमला

बॉलीवुड एक्टर अभिमन्यु सिंह ने हाल ही में साउथ फिल्मों की नकल करने को लेकर बॉलीवुड पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री को अपनी ओरिजिनल कहानियों पर विश्वास रखना चाहिए, बजाय इसके कि वह साउथ की फिल्मों की नकल करता रहे। अभिमन्यु ने सवाल उठाया कि बॉलीवुड खुद क्यों अपनी कहानियां नहीं लिख पा रहा और क्यों साउथ की फिल्मों से प्रेरित हो रहा है। उनका मानना है कि बॉलीवुड को अपनी पहचान बनाने के बजाय दूसरे की नकल करने का सिलसिला बंद करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बॉलीवुड में कड़ी मेहनत की जरूरत है और यहां की रचनात्मकता को ज्यादा महत्व देना चाहिए। उनका मानना था कि इंडस्ट्री को साउथ की फिल्मों की सफलता से सीखना चाहिए, लेकिन अपनी फिल्मों में नया नजरिया और नई कहानियां पेश करनी चाहिए। अभिमन्यु का यह बयान इंडस्ट्री में एक नई बहस को जन्म दे सकता है, क्योंकि वे चाहते हैं कि बॉलीवुड अपनी पहचान बनाए और खुद की सृजनात्मकता पर ध्यान दे।

रत्ना पाठक ने बच्चों को लेकर जताई चिंता

आजकल के डिजिटल युग में बच्चों का अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कम समय बिताना एक आम समस्या बन गई है। ज्यादातर बच्चे अकेले रहना और सोशल मीडिया पर अपना वक्त बिताना पसंद करते हैं। इस बदलाव को लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस रत्ना पाठक ने चिंता जाहिर की है। एक्ट्रेस ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और बताया कि कैसे आजकल की सुविधाओं ने बच्चों को बंद कमरों में रहने का आदी बना दिया है। रत्ना पाठक ने यह भी कहा कि बच्चों के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर समय बिताने से उनका परिवार और रिश्तों से जुड़ाव कमजोर हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस नए दौर में बच्चों को पारिवारिक और सामाजिक संबंधों की अहमियत सिखाने की जरूरत है। उनका मानना है कि बच्चों के लिए ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जो उन्हें बाहर जाने, दोस्त बनाने और अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए प्रेरित करें।

दैनिक पंचांग

17 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.12 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.10 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.40 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.52 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.02 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.17 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.33 बजे से
राहुकाल		मकर	00.38 बजे से
1.30 से 3.00		कुंभ	02.25 बजे से
बजे तक		मीन	03.57 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 107 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 15.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 05.55 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 15.24 बजे तदनन्तर कौलव 00.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 29' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872317 **जूलियन दिन** 2460782.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जया के बयान पर अक्षय की प्रतिक्रिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस जया बच्चन अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में, जया ने अक्षय कुमार की सुपरहिट फिल्म टॉयलेट- एक प्रेम कथा के टाइटल की आलोचना करते हुए इसे फ्लॉप बताया था। जया के इस बयान ने काफी तूल पकड़ा, और अब कई दिनों बाद अक्षय कुमार ने जया के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अक्षय ने कहा कि वह जया बच्चन की राय का सम्मान करते हैं, और यह हर किसी का व्यक्तिगत विचार होता है। अक्षय ने बताया कि उन्हंक जया का बयान सुनकर कोई गुस्सा नहीं आया, क्योंकि फिल्म की सफलता ही उसके वास्तविक मूल्य को दर्शाती है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था और दर्शकों से जबरदस्त सराहना भी मिली थी। अक्षय कुमार ने अपने जवाब में यह साफ किया कि सभी को अपनी राय रखने का पूरा हक है और वह जया बच्चन का सम्मान करते हैं, चाहे वह उनके विचारों से सहमत हों या नहीं।

एक बंगाली अंकल थे जो मुझे गोद में बिठाते थे - चाहत खन्ना

छोटे परदे के अभिनेता चाहत खन्ना ने बताया कि बचपन में उनकी सोसाइटी के एक अंकल ने उनके साथ मोलेस्टेशन किया था। एक इंटरव्यू के दौरान चाहत ने कहा कि उन्हें यह समझने में सालों लग गए कि जो उनके साथ हुआ था, वह गलत था। उन्होंने बताया, मैं बहुत छोटी थी, हमारी सोसाइटी में एक बंगाली अंकल थे जो मुझे गोद में बिठाते थे और उस समय मुझे लगता था कि यह सब सामान्य है। वे मुझे चॉकलेट देते थे, जिससे मुझे लगता था कि वो अच्छे इंसान हैं। चाहत ने आगे कहा कि असल सच्चाई उन्हें तब पता चली जब दो साल पहले उनकी बचपन की एक दोस्त ने बताया कि उसी अंकल के खिलाफ उसने छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया है।

चाहत के मुताबिक, वह मुझसे थोड़ी बड़ी थी, इसलिए उसे जल्दी समझ में आ गया। तब मुझे भी एहसास हुआ कि मेरे साथ भी वही हो रहा था। यह अनुभव साझा कर चाहत ने न सिर्फ अपने जज़्बातों को खुलकर सामने रखा बल्कि यह भी उजागर किया कि कैसे कई बच्चे ऐसे अनुभवों को पहचान ही नहीं पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा होना सामान्य है। चाहत खन्ना, अपने एक्टिंग करियर में कई चर्चित शोज़ जैसे कुमकुम- एक प्यार सा बंधन, कुबूल है, काजल और डर सबको लगता है का हिस्सा रही हैं। फिल्मों में भी उन्होंने कदम रखा और उन्हें पिछली बार 2023 की फिल्म यात्रीस में देखा गया था, जिसमें उनके साथ रघुबीर यादव, सीमा पाहवा और जेमी लीवर जैसे सितारे थे। चाहत की इस बहादुरी भरी स्वीकारोक्ति से यह उम्मीद की जा सकती है कि समाज में बाल यौन शोषण पर जागरूकता और बातचीत को और बढ़ावा मिलेगा। उनके साहस को सलाम। अगर चाहो तो इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए मैं एक छोटा सा सोशल मीडिया पोस्ट ड्राफ्ट भी कर सकता हूं। बता दें कि चाहत खन्ना बड़े अच्छे लगते हैं जैसे पॉपुलर शो में आयशा शर्मा का किरदार निभाकर खूब लोकप्रियता पाई।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं मानेगी सरकार

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर जो फैसला दिया है ।उससे सरकार आग बबूला हो गई है । सरकार ने समीक्षा याचिका दायर करने का निर्णय लिया है । जल्द ही केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी । तीन या पांच जजों की खंडपीठ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलेगी? केंद्र सरकार इस बात से आश्चर्यचकित है । कोई जज राज्यपालों और राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का फैसला कैसे दे सकता है । केंद्र सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है । सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गोलबंदी की तैयारी कर ली है ।केंद्र सरकार इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती है ।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर मुखर हुए पीयूष गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों अमेरिका की नीतियों को लेकर कुछ ज्यादा ही मुखर हो गए हैं । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अघोषित रूप से भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को खुली छूट दी है । गोयल ने यूरोपीय यूनियन में आत्म सम्मान का मुद्दा उठाया । अमेरिका से दूपक्षी समझौते को लेकर उन्होंने आत्म सम्मान की बात कही । भारत की खाद्य सुरक्षा, औषधि उद्योग,ई कॉमर्सऔर सेवा के क्षेत्र में भारतीय हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती है । भारत सरकार को चलो कुछ-कुछ तो समझ में आने लगा है । सीधे ना सही आडे-तिरछे तरीके से भारत ने बोलना सीख लिया है ।

एडीएम के पलनीसामी भाजपा गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा

तमिलनाडु में एडीएम ने भाजपा के साथ एक बार फिर गठबंधन कर लिया है । पहले भी भाजपा के साथ गठबंधन था । लेकिन गठबंधन, तलाक में बदल गया था । अब विधानसभा चुनाव आने वाले हैं । भाजपा ने एडीएम के साथ गठबंधन करके ईके पलनीसामी को भाजपा गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा के रूप में स्वीकार कर लिया है । भाजपा अब पलानी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी । इस बार भाजपा तमिलनाडु में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने जा रही है । केंद्र सरकार जल्द ही डीएमके नेताओं के ऊपर शिकंजा कसेगी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में श्रीलंका का दौरा करके लौटे हैं । श्रीलंका से लेकर तमिलनाडु तक भाजपा ने नई बिसात बिछाई है । इसका मुकाबला डीएमके कैसे करेगी । यह काफी महत्वपूर्ण होगा । भाजपा मैं मोदी शाह की जोड़ी जिस तरह की बिसात बिछाती है । उसका मुकाबला करना आसान नहीं होता है । पहली बार तमिलनाडु के चुनाव में तरह-तरह के नजारे देखने को मिलेंगे ।

कोविड के बाद बच्चों-युवाओं की साइलेंट अटैक से मौत

बिना किसी बीमारी के युवाओं बच्चों और आम आदमियों की मौत साइलेंट अटैक से हो रही है । कोविड महामारी के बाद लोगों को वैक्सीन के टीके लगाए गए थे । उसके दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं ।खेलते खेलते, वरमाला डालते, डांस करते, साइकिल चलाते, खाना खाते और सोते हुए लोग गिरते हैं । घटना स्थल पर ही तुरंत मर जाते हैं ।इस तरह के साइलेंट अटैक पहले नहीं आते थे । जिस तरह के अब आ रहे हैं ।अमेरिका में कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर जांच हुई थी ।अमेरिका में जुर्माना भी लगाया गया था ।जाँच मे मौत का कारण वैक्सीन माना गया था । साइलेंट अटैक से हो रही लगातार मोतों के कारण भारत के लोगों में भी भय फैल रहा है । कोविशील्ड वैक्सीन के कारण लोगों की मौत हो रही है?

जैसा अपराध वैसी ही सजा

पिछले दिनों ऐसी खबर पढ़ी कि दिल दहल उठा। यह बिहार के नवादा जिले से आई थी। एक ट्रक के सहचालक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने चौबीस घंटे के भीतर ही अपराध को अंजाम देने वाले को पकड़ लिया। पता चला कि बेटे ने ही पिता की हत्या करवाई थी। इसके लिए उसने अपने कुछ परिचितों से सम्पर्क किया और पिता की हत्या के लिए डेढ़ लाख रुपए की सुपारी दी थी। साठ हजार रुपए एडवांस में दिए थे। फिर बेटे ने ही पिता की हत्या का शक जाहिर करते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि हत्या का कारण था पिता का लिया कर्ज। पिता ने दो ट्रक खरीदे थे। उनके लिए अठारह-अठारह लाख रुपए का कर्ज बैंक से लिया था। बेटे को लगता था कि पिता के न रहने पर बैंक इस कर्ज को माफ कर देगा। पुलिस ने इस लड़के साथ छह अन्य लोगों को भी पकड़ा। पिता तो दुनिया से गया ही बेटे और अन्य लोगों का भविष्य में क्या होगा यह वक्त ही बताएगा।

कई बार लगता है कि आजकल ऐसी घटनाओं की बाढ़ आ गई है, जहां अपने निकट परिजन ही या तो खुद मार डालते है या मरवा देते है। न जाने क्यों उन्हें इस बात का भरोसा होता है कि उनका कभी कुछ नहीं बिगड़ेगा। वे साफ बच निकलेंगे। लेकिन अंततः वे पकड़े जाते है। गुजरात में एक बेटे ने अपने माता-पिता के सिर में तवा मारकर हत्या कर दी थी। उस समय माता-पिता सो रहे थे। बेटा बेरोजगार था और उसे माता-पिता का बार-बार नौकरी के लिए कहना पसंद नहीं आता था। मथुरा में सालों पहले एक लड़की ने अपने पूरे परिवार की जहर देकर मार दिया था क्योंकि परिवार उस लड़के से मिलने से मना करता था, जिससे उसी दोस्ती थी। पबजी खेलने से मना करने पर भी एक लड़के ने अपनी मां को मार डाला था।

कई बार लगता है कि आजकल ऐसी घटनाओं की बाढ़ आ गई है, जहां अपने निकट परिजन ही या तो खुद मार डालते हैं या मरवा देते हैं।

अकसर अपनी मनपसंद शादी करने का फल भई लड़के-लड़कियां अपनी जान देकर भुगतते है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म0प्र0)

क्रमांक 1288 /न.पा.नि / राजस्व/2023-24 रीवा दिनांक 15/04/2025

अचल सम्पत्ति नामान्तरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की आवासीय योजना -8 नेहरुनगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है मे स्थित ई. डब्लू. यस . भवन क्रमांक 3/22/503 कुल क्षेत्रफल 465.00 वर्गफिट श्री मती कैलशुआ देवी पति श्री कौशल प्रसाद त्रिपाठी को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात इस भवन का नामांतरण श्री जगन्नाथ त्रिपाठी पिता स्व. श्री कौशल प्रसाद त्रिपाठी निवासी नेहरु नगर रीवा (म. प्र.) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 23.0 8.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त ई. डब्लू. यस . भवन क्रमांक 3/22/503 के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक के आवेदन अनुसार ई. डब्लू. यस . भवन क्रमांक 3/22/503 का नामान्तरण श्री जगन्नाथ त्रिपाठी पिता स्व. श्री कौशल प्रसाद त्रिपाठी निवासी नेहरु नगर रीवा (म. प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी

उपायुक्त (राजस्व)
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

तमीज सीखने की जरूरत

किसी मासूम किशोरी को माहवारी अचानक आ जाए या शायद पहली बार आ जाए, स्कूल वालों को क्या करना चाहिए। यह सलीका कौन- किसे-कब सिखायेगा? यह कोई साधारण घटना नहीं मानी जानी चाहिए। बड़ी-बड़ी दलीलें और तरक्की की बातें करने वाले अपने समाज के दिग्गजों के इस छोटी सी बड़ी बात पर मौन रहने को ही बेहतर मान लेना चाहिए। तमिलनाडु के एक स्कूल की यह शर्मशार करने वाली घटना सामने आई। आठवीं में पढने वाली किशोरी को माहवारी के कारण कक्षा के बाहर सीढियों पर बैठकर परीक्षा देने को मजबूर किया गया। कोयंबटूर जिले के किनाथुकवाडु में सेनगुट्टईपलायम का यह कोई सरकारी स्कूल नहीं है, यह निजी स्कूल है। जिसमें मुट्ठी भर-भर के पैसों की वसूली होती है। यह दिहाड़ी मजदूरों की बच्ची बतायी जा रही है। स्कूल प्रशासन व अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हो गया है। उसका कक्षा से बाहर परीक्षा देने वाला यह विवादित वीडियो खुद किशोरी की मां द्वारा रिकार्ड किया बताया जा रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। हालांकि स्कूल प्रशासन ने प्राधनाचार्य को निलंबित कर दिया है। पर दलील दी जा रही है कि अभिभावकों के अनुरोध पर ही छात्रा को अकेले बैठ कर परीक्षा दिलवाने को कहा था। इसमें कोई संदेह नहीं कि छात्रा कमजोर वर्ग से है इसलिए उसके साथ यह ज्यादती की गयी। यह बात उप्र या बिहार की होती तो शायद हो-हल्ला और भी ज्यादा होता। स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी जरूरी है। ताकि इससे तमाम अन्य स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य व शिक्षकों को ये तौर-तरीके सलीके से सिखाए जाएं। यह किसी भी स्त्री का अधिकार है। इसकी उपेक्षा या अवहेलना करने वालों पर लगाम कसी जानी जरूरी है।

रील बनाने वालों के कारनामे कई बार बहुत अहमकाना होते हैं। कुछ ही दिन पहले वायरल हुई रील में देखा, कमउम्री लड़की ऑटो से उतरी। उसकी जैगिंग जो सफेद सी है, टांगों की दरम्यानी जगह पर लाल नजर आ रही है। वह परेशान सी खुद को चारों तरफ से घूम कर देखती है। तभी करीब आकर मोटर साइकिल सवार फब्ती कसता है। बताया गया, यह रील खेल-खेल में बनायी गयी। हालांकि यह गंभीर मसला है। किशोरियां चाहे स्कूल में हों या सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग कर रही हों। लंबी-नजदीकी यात्रा पर हों या घर से कहीं भी बाहर हों। ऐसे में उन्हें अचानक होने वाले मासिक को संभालना मुश्किल ही नहीं होता। बल्कि वे इतनी नर्वस हो जाती हैं कि रो पड़ती हैं। मुझे कभी नहीं भूलता। हम स्कूल में थे, तब मेरी दोस्त क्लास में अचानक जोरों से रोने लगी। उस वक्त क्लास चल रही थी, सामने टीचर बैठी थी। वह मुंह दबाकर रो पड़ी। हमने पहले सोचा, बगल में बैठी दोस्त से कोई मन-मुटाव हुआ है। मगर घंटा बजते ही टीचर ज्यों ही क्लास से निकली। वह सुबक-सुबक कर रो पड़ी। पूरी कक्षा हैरत में थी। हम लगातार पूछते रहे- क्या हुआ? मगर वह बोल ही नहीं पा रही थी। काफी मनुहार के बाद उसने इशारे से दिखाया तो उसकी पूरी स्कर्ट लाल धब्बों से भर चुकी थी। हमारी यूनिफॉर्म की स्कर्ट का रंग हल्का आसमानी हुआ करता था। जिस पर धब्बे दूर से ही नजर आते। वह शायद मासिक चालू होने के बाद का पहला या दूसरा साल ही रहा होगा। क्लास की आधी से ज्यादा साथिनें हतप्रभ थीं। मानो कोई अजूबा दिख गया हो। कुछ खुसर-फुसर में जुट गयीं तो बाकियों के चेहरे पर उदासी छा गयी। किशोरावस्था में घटने वाली यह घटना समूची क्लास के लिए हैरत भरी थी। कुछेक ने अपने-अपने सुझाव दिये। हमने सबसे पूछा किसी के पास कुछ एक्सट्रा है फिर पूरी क्लास से सेफ्टीपिन्स एकत्र किये। उसे ढांढस बंधाया और धब्बे वाले हिस्से को दबा-दबा लगभग छिपाने का प्रयास करते हुए, सेफ्टीपिनें लगाने की मशक्कत की। हालांकि यह लड़कियों का स्कूल है। जहां माली, चौकीदारों, बाबू और चपरासियों के सिवाय कोई पुरुष नहीं था। उसका सुबकना आज भी मुझे अच्छी तरह याद है। अगली क्लास बंक कर हम कुछ सहेलियां घेरा बना कर उसे सुनसान क्लास रूम में ले गये। आपस में बमुश्किल कुछ पैसा जुटाया गया। हम दो मित्रों ने साहस किया कि हम बाहर जाकर सड़क पार दुकान से सैनेटरी नैपकिन खरीदेंगे। सबसे बड़ा सवाल था, गेट से बाहर कैसे निकला जाए। जहां लाठी लिये चौकीदार मुस्तैद रहता था। जो गेट के दस-पन्द्रह मीटर दूर से छात्राओं को हांका करता था। हमने बड़ी मनुहार की कि हम बेहद जरूरी दवाई सामने के कैमिस्ट से लाना चाहते हैं पर उसने हमारी एक न सुनी। उस पर धमकी दी, प्रिंसपल से शिकायत लगाने की। आखिर हम दोनों ने सीधा प्रिंसपल को हकीकत बताने का निर्णय लिया। हालांकि हम डरे हुए थे। क्योंकि वह बेहद सख्त और अनुशासनप्रिय थीं। उनके दफ्तर तक पहुंच कर हमने दरबान की तरह डटी आया से गुजारिश की, उनसे मिलने देने की। उसने सख्ती से मना ही नहीं किया बल्कि हमें दुत्कार कर दफ्तर के इर्द-गिर्द से भागने की हिदायत दी। कहा, ठाह मीटिंग में व्यस्त हैं। मिल नहीं सकतीं। थक-हार कर हमने काफी माथा-पच्ची की। दिमाग दौड़ाया तो याद आया होम-साइंस डिपार्टमेंट में फिजूल कपड़ा पड़ा होता है। हम वहां गये, चौकीदारनी को समझाया। कटिंग और सिलाई वाले कपड़ों में से कुछ टुकड़े चुने। जो कचरे की तरह फेंके गये थे। उन्हें तरतीब से जोड़-जाड़ कर दुरुस्त किया, दोस्त को टिकाया और हम सब मुंह फेर कर खड़े हुए। पर वह इतना हिचक रही थी कि हम उसे क्लास में छोड़कर बाहर जा खड़े हुए। फिर से गंभीर चिंतन चालू किया गया। अभी आधे से ज्यादा दिन बाकी था। नयी कवायद चालू हुई। उसे किसी भी कीमत पर घर जाना था। आखिर एक मित्र ने प्रिंसपल के नाम पत्र लिखा, मैंने उसकी मम्मी का हस्ताक्षर बनाया। आपसी सहमति से हमने पत्र में लिखा, छात्रा की तबीयत बहुत खराब है, उसे डाक्टर के पास लेकर जाना जरूरी है इसलिए आधी छुट्टी की इजाजत दी जाए। हम सब सामूहिक रूप से वापस प्रिंसपल के दफ्तर गये, पत्र चौकीदारिनी को थमाया। वह भीतर गयी और पलटकर दोस्त को भीतर आने का इशारा किया। चूंकि वह पहले ही जार-जार रोकर हलकान हो चुकी थी। उसका चेहरा मायूस और उजड़ा दिख रहा था। वह रो रही थी इसलिए उन्होंने फौरन ही दस्तखत कर दिये। जाहिर है, अब उसे अकेले घर तक जाना था। वह इसका साहस भी नहीं जुटा पा रही थी। बहुत बोलने और अगले कुछ घंटों में उसकी हालत का ख्याल दिलाने पर उसने हिम्मत की। हम सब गेट तक गये। उसे हौंसला दिया और रिक्शा से घर जाने की सलाहित दी। हालांकि उसका घर करीब ही सड़क पार था। अब तक मुझे याद है, इस घटना के बाद वह हफ्ते भर स्कूल नहीं आयी। जब हम उसका हाल लेने उसके घर गये तो उसका कहना था, मुझे शर्म आ रही है। मैं सारी क्लास को कैसे फेस करूं। बयालिस साल पहले की यह घटना मैं आज तक नहीं भूल पायी। खासकर जब भी ऐसा कोई वाकया होता है, मुझे उसका चेहरा याद आ जाता है। जिसकी हमने जिन्दगी में दोबारा कभी चर्चा भी नहीं की। शायद साहस ही नहीं जुटा कि उसे शर्मिंदगी न हो। बात काफी पुरानी है परंतु हालात अभी भी खौफनाक हैं। लड़कियों को उन खास दिनों के लिए कितना शर्मिंदा किया जाता है। इस पर चर्चा करने या खुलकर बोलने पर पाबंदी लगायी जाती है। सयानों को यह हकीकत गले क्यों नहीं उतरती। किशोरवय यूं भी बहुत संवेदनशील होती है, उस पर इस तरह का बर्ताव सारे समाज के मुंह पर चांटा है। वह भी स्कूलों में, जहां बच्चियों को इन गोपन बातों पर खुल कर बतियाना सिखाया जाना चाहिए।

मैं मानती हूं कि कुछ मांएं लापरवाह होती हैं, कुछ युवतियों को सलीका नहीं आता या कईयों को अंदाजा नहीं होता कि उनके खास दिन आने को हैं। कुछ औरतों को समय से पहले पीरियड आ जाता है। खासकर कुछ समय पहले तक बिटिया का मासिक किसी गोपनीय चीज की तरह इशारों में बतियाया जाता था। अब काफी बदलाव आ चुके हैं। बावजूद इसके अभी भी समाज का बड़ा तबका इन बातों को औल-फौल ही मानता है। ऐसे ही ऑफिस में नयी ट्रेनी आयी थी। एक रोज वह अपनी सीट पर बैठी कांप रही थी। बाजू में बैठी सहकर्मी ने बार-बार पूछा तो वह वॉशरूम लेकर उसे गयी। लौटी तो बताया गया कि उसको पीरियड आ गया है। वह शादीशुदा और वयस्क युवती थी। हम चौंके। मगर फौरन दो अन्य सहकर्मी कैमिस्ट से भाग कर नैपकिन ले आयीं। उसे थमाया तो वह रो पड़ी, बोली उसने सलवार के भीतर पैंटी भी नहीं पहनी है। यह बात पूरे विभाग के लिए चौंकाने वाली थी। अंततः उसकी परेशानी और घर वापसी के दौरान होने वाली अड़चनों का विचार कर मेरी दोस्त ने अपनी पैंटी उतार कर दी। उन दिनों न तो होम डिलीवरी का सिस्टम था, न ही हमारे दफ्तर के इर्द-गिर्द ढंग का बाजार ही था, जहां इस तरह की चीजें आसानी से मिलें। उसके अगले काफी दिन तक वह ऑफिस ही नहीं आयी। हो न हो, उसे भी अहसास होगा कि सब उसका उपहास कर रहे होंगे। हालांकि हममें से किसी ने कभी इस पर कोई चर्चा की जरूरत नहीं महसूस की। ऐसी एकाध घटना और याद आती है। मगर ये सब हमारी संवेदनहीनता और अदूरदर्शिता का अहसास कराती हैं। हमें अपने इस बर्ताव पर विचार करना होगा। खासकर अपनी छात्राओं, स्त्री कर्मचारियों, मजदूरिनों आदि के लिए आपातकाल की व्यवस्था करनी चाहिए। यह नियम न भी हो, तब भी स्त्री के प्रति व्यावहारिक होने का प्रयास करना सीखना चाहिए। साथ ही मांओं को चौंकन्ना रहने की जरूरत है। किशोरियों को पूरी तैयारी रखने और इस पर शर्मशार न होने की सीख देनी चाहिए। ■

रील बनाने वालों के कारनामे कई बार बहुत अहमकाना होते हैं। कुछ ही दिन पहले वायरल हुई रील में देखा, कमउम्री लड़की ऑटो से उतरी। उसकी जैगिंग जो सफेद सी है, टांगों की दरम्यानी जगह पर लाल नजर आ रही है। वह परेशान सी खुद को चारों तरफ से घूम कर देखती है। तभी करीब आकर मोटर साइकिल सवार फब्ती कसता है। बताया गया, यह रील खेल-खेल में बनायी गयी। हालांकि यह गंभीर मसला है।

रूस की खुली धमकी से डरा यूरोप, यूक्रेन पहुंचे नाटो प्रमुख

मास्को। रूस और यूक्रेन का युद्ध पिछले तीन सालों से चल रहा है। अब युद्ध का असर दूसरे देशों पर भी पड़ने लगा है। रूस के खुफिया प्रमुख सर्गेई नारिस्किन ने नाटो को खुली धमकी दी है कि अगर पोलैंड और बाल्टिक देश अपनी 'आक्रामक' हरकतें नहीं रोकते, तो रूस जवाबी कार्रवाई करेगा। यह बयान तब आया है, जब यूक्रेन में रूस की बमबारी तेज हो गई है और दुनिया भर में इसे लेकर गुस्सा भड़क रहा है।

ब्रिटेन की जेलों में इस्लामिक कट्टरपंथियों का कब्जा

लंदन। ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों में बड़ी संख्या में इस्लामी कट्टरपंथी कैदी बंद है। इनकी संख्या ज्यादा हो जाने के कारण अब यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता के कारण बन रहे हैं। 2017 के मैनचेस्टर एरीना बम धमाके के दोषी हाशिम अबेदी ने 12 अप्रैल को फ्रेंकलैंड जेल में तीन जेल अधिकारियों के ऊपर अपने कैदी साथियों के साथ हमला कर दिया। इस्लामी कट्टर पंथियों ने गरम तेल और धारदार हथियारों से यह हमला किया।

रूस लगातार यूक्रेन पर कर रहा हमला 70 फीसदी क्षेत्रों पर किया कब्जा

-जेलेंस्की ने कहा- पुतिन बेगुनाहों का खून बहा रहा है दुनिया चुप न रहे

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच करीब तीन साल से युद्ध जारी है और अब यह भयानक रूप ले चुका है। रूसी सेना यूक्रेन की जमीन पर कब्जा कर रही है। कुर्स्क ओब्लास्ट, डोनेस्क, खुराखोव और पश्चिमी जापोरिजिया ओब्लास्ट में रूस का कब्जा हो गया है, लेकिन यूक्रेन के लिए सबसे बड़ा झटका है सूमी शहर पर रूस का हमला। जहां दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने 34 मासूमों की जान ले ली और 134 लोग घायल हो गए। रविवार को रूस ने सूमी शहर पर मिसाइलों की बौछार कर दी।

रूसी मिसाइलों ने शहर के बीचों-बीच तबाही मचाई, जहां यूक्रेनी सेना का एक कार्यक्रम चल रहा था। सड़कों पर लाशें बिछ गईं और इमारतों में आग लग गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन बेगुनाहों का खून बहा रहा है दुनिया अब चुप न रहे, रूस को रोकना होगा, लेकिन रूस ने कहा कि हमने सिर्फ सैन्य ठिकाने निशाना बनाया। यूक्रेन आम लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। रूस की सेना जमीन, आसमान और समंदर तीनों मोर्चों पर यूक्रेन को घेर रही है। कुर्स्क ओब्लास्ट में रूसी सैनिक यूक्रेनी ठिकानों को बर्बाद कर रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि रूस ने एस-400 से यूक्रेन के एफ-16 जेट को भी मार गिराया है। रूस की डेढ़ लाख नई सेना, 200 लड़ाकू विमान और 3000 टैंक यूक्रेन के 1000 किलोमीटर इलाके में लड़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने लुहांस्क में 99 फीसदी और डोनेस्क, खेरसॉन, जापोरिजिया में 70 फीसदी इलाके पर कब्जा कर लिया है।एक्सपर्ट्स का कहना है कि पुतिन यूक्रेन के 70 फीसदी इलाके पर कब्जा कर सकते हैं। अगर डोनेस्क और लुहांस्क पर रूस का कब्जा हो गया, तो यूक्रेन की कमर टूट जाएगी। सूमी जैसे रणनीतिक शहर पर हमला दिखाता है कि पुतिन किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे थे, तभी रूस ने सूमी शहर पर हमला बोल दिया। सूमी का हमला न सिर्फ यूक्रेन, बल्कि अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और नाटो के लिए पुतिन की खुली चुनौती है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसे पेरू के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी ने ब्राजीलियाई दूतावास में शरण मांगी

लीमा। पेरू के पूर्व राष्ट्रपति ओलांता हुमाला पर मुकदमा 2006 से 2011 के दौरान चुनावी अभियानों में कथित अवैध फंडिंग से जुड़ा है। अभियोजकों का दावा है कि हुमाला की नेशनलिस्ट पार्टी ने वेनेजुएला सरकार और ब्राजील की कंस्ट्रक्शन कंपनी ओडेब्रेक्ट से उनके अभियानों के लिए अवैध धन प्राप्त किया था। हुमाला और उनकी पत्नी ने पहले इन आरोपों से इनकार किया था।

हुमाला को मनी लॉन्ड्रिंग केस मामले में 15 साल की सजा हुई है। वहीं, कोर्ट की सुनवाई के दौरान उनकी पत्नी नादिन हेरेडिया उपस्थित थीं। मीडिया के हवाले से उनको पेरू की राजधानी लीमा ब्राजील दूतावास के पास देखी गईं। ये बातें सामने निकल आई कि उन्होंने ब्राजीलियाई दूतावास में शरण मांगी। पेरू के पड़ोसी देश का दूतावास से शरण मांगने के साथ ही राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। पेरू के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, ब्राजीलियाई दूतावास ने सूचित किया कि हेरेडिया मंगलवार सुबह दूतावास पहुंची थीं। यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने सजा की घोषणा से पहले या बाद में दूतावास में प्रवेश किया। सीएनएन ने बताया कि पेरू के विदेश मंत्रालय और दूतावास से संपर्क किया है, साथ ही हेरेडिया के वकील से भी संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

बता दें कि तीन साल तक चले मुकदमे में मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। जब जज ने फैसला सुना रहे थे तब पूर्व राष्ट्रपति हुमाला अदालत में मौजूद थे, लेकिन हेरेडिया अनुपस्थित थीं। फैसले की घोषणा के तुरंत बाद, न्यायपालिका ने हुमाला को तत्काल जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

उनके वकील विल्फ्रेडो पेड्राजा ने फैसले को अनुचित बताते हुए कहा कि वे इसकी अपील करेंगे। उन्होंने कहा, 'पैनल का यह कहना कि अपराध की अवैधता को बाद में सत्यापित किया जा सकता है, अस्वीकार्य है।

रूस अगर यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। ऐसे में अमेरिका ने रूस को बड़ा ऑफर देते हुए कहा है कि यदि रूस इस युद्ध को रोकने की पहल करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका, रूस के साथ आर्थिक साझेदारी भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले रूस को युद्धविराम करना होगा। व्हाइट हाउस ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

दुनिया में कई फल ऐसे जिनकी कीमत होती है लाखों में

लंदन। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे फल भी हैं, जिनकी कीमत सुनकर आप चौंक सकते हैं? ये फल इतने महंगे हैं कि आम आदमी के लिए इन्हें खरीदना किसी सपने जैसा लगता है। सबसे पहले बात करते हैं ताइयो नो तमागो आम की, जिसे 'एग्स ऑफ सन' भी कहा जाता है। जापान में पैदा होने वाला यह आम आधा पीला और आधा लाल होता है और इसकी कीमत 1 से 2 लाख रुपये तक हो सकती है।

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

वॉशिंगटन। एक फिलिस्तीनी युवक को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब छात्र अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा था। युवक का नाम मोहसिन महदावी बताया जा रहा है, जो पिछले एक दशक से अमेरिका में रह रहा है और 2015 से ग्रीन कार्ड धारक है। उसे इमीग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट के एजेंटों ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन से गिरफ्तार किया।

सिंगापुर में लगी आग में फंसे बच्चों के लिए देवदूत बने भारतीयों को मिला जीवनरक्षक पुरस्कार

सिंगापुर। सिंगापुर में बीते सप्ताह लगी आग में फंसे बच्चों की जान करीब 18 भारतीयों ने देवदूत बनकर बचाया। अब इन देवदूतों की सराहना चौतरफा हो रही है। सिंगापुर सरकार के सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) ने सभी भारतीयों को सामुदायिक जीवनरक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है।

भारतीय श्रमिकों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बच्चों को सुरक्षित आग से बाहर निकाला।

आठ अप्रैल की सुबह भारतीयों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। एससीडीएफ डिवीजन के कमांडर कर्नल ताई जी वेई ने कहा कि सभी आग की घटनाओं के लिए समय महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम वास्तव में जनता के सदस्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उस दिन एससीडीएफ के आने से पहले ही प्रतिक्रिया दी। उनकी बहादुरी, उनकी त्वरित कार्रवाई और उनके सामूहिक कार्य ने वास्तव में उस दिन लोगों की जान बचाई। एससीडीएफ अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले 18 लोगों ने छह से 10 वर्ष की आयु के बच्चों और 23 से 55 वर्ष की आयु के छह वयस्कों को बचाया और उनकी देखभाल की। आग से बचाई गई 10 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई थी।

बच्चों को बचाने वालों में चिन्नापा कन्नदासन, हसन इस्माइल, शकील मोहम्मद, दास तपोश, हसन राजीब, रवि कुमार, वरवेल क्रिस्टोफर, गोविंदराज एलंगेश्वरन, मुथुकुमार मुगेश, इंदजीत सिंह, सिवासामी विजयराज, नागराजन अनबरसन, सुब्रमण्यम सरनराज, इस्लाम शफीकुल, सुब्रमण्यम रमेशकुमार, बेन्सन लो, शेख अमीरुद्दीन बिन कमालुद्दीन और डॉ. लौरा बिफिन शामिल हैं।

बच्चों को बचाने में मदद करने वाले निजी-किराए के ड्राइवर बेन्सन लो ने कहा कि इमारत के किनारे पर मौजूद बच्चे कांप रहे थे और किनारे से कूदना चाहते थे। भारतीय श्रमिकों ने उन्हें रुकने के लिए चिल्लाया। निर्माण श्रमिक शकील मोहम्मद, 35, साथी निर्माण श्रमिकों हसन इस्माइल, 20, और चिन्नापा कन्नदासन, 32 के साथ सबसे आगे थे।

पड़ोसियों से संबंध सुधारने बेहतर मौका, ट्रंप के टैरिफ से बंद हो रही चीन की दुकानें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ ने चीनी व्यापारियों की कमर तोड़ दी है और अब दुकानें बंद करने की नौबत आ गई है। इस बीच अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चीन को अब अपने पड़ोसी देशों, खासकर दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापार बढ़ाकर इस नुकसान की भरपाई करनी होगी। ट्रंप ने चीन से खिलाफ अब तक कुल 145 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत का टैरिफ थोप दिया है।

टैरिफ वार ने चीन के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को हिलाकर रख दिया है। दुनिया का एक सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार शेन्जेन का हुआकियांगबेई इस जंग का ताजा शिकार बना है। बाहर से देखने पर इस बाजार की सड़कों पर भीड़ और सामान ढोते मजदूरों को देखकर लगता है कि सब कुछ सामान्य है। लेकिन अंदर का माहौल बिल्कुल अलग है। खासकर चिप्स के सेक्शन में सन्नाटा पसरा है। सबसे ज्यादा असर हुआकियांगबेई के चिप व्यापारियों पर पड़ा है। रिपोर्ट प्रकाशित की है। एक चिप वितरक ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि पिछले हफ्ते से ऑर्डर बहुत कम हो गए हैं। कीमतें बढ़ने की वजह से हाल के दिनों में लगभग कोई ऑर्डर नहीं आया।

इंटेल और एएमडी जैसे लोकप्रिय चिप्स की कीमतें 10 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ये चिप्स ज्यादातर अमेरिका से आते हैं और चीन के घरेलू खरीदारों के लिए हैं। टैरिफ ने सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया है। वितरक ने आगे कहा कि अगर अगले कुछ दिनों में कीमतें और बढ़ती हैं, तो हम दुकान बंद करके छुट्टी पर चले जाएंगे। नीतियों या टैरिफ में बदलाव होने तक इंतजार करेंगे। अभी काम करने का कोई मतलब नहीं है। हम पैसा नहीं कमा रहे, बल्कि खर्च बढ़ रहा है। लियू चुनयिंग एक सेमीकंडक्टर कंपनी की मालिक हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को चीन के जवाबी टैरिफ की घोषणा के बाद कुछ अमेरिकी चिप सप्लायरों ने कीमतें बताना और शिपिंग करना बंद कर दिया। मिड और लो-एंड चिप्स का निर्यात करने वाले एक अनुभवी चिप निर्माता झेंग कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया के ग्राहक अब सतर्क हो गए हैं। बाजार पहले से ही सेचुरेशन प्वांट पर पहुंच गया है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने हालात और खराब कर दिया है।

दुनिया की सबसे छोटी नदी! पलक झपकते ही पार, सिर्फ 61 मीटर लंबी

वाशिंगटन। आपने गंगा, नील और अमेजन जैसी विशाल नदियों के बारे में तो सुना ही होगा, जिनकी लंबाई हजारों किलोमीटर में होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी भी नदी है, जिसे आप महज कुछ सेकंड में पार कर सकते हैं? जी हां, यह कोई मज़ाक नहीं, बल्कि हकीकत है! इस रहस्यमयी और अनोखी नदी का नाम है रॉए नदी। यह अमेरिका के मोंटाना राज्य में स्थित है और इसकी कुल लंबाई केवल 61 मीटर (201 फीट) है। इतनी छोटी कि छलांग लगाते हुए इसे पार कर लें।

छोटा पैकेट, बड़ा कमाल

यह नदी अमेरिका के मोंटाना राज्य के गायंट स्प्रिंग्स से निकलती है और कुछ ही दूरी पर जाकर मिसूरी नदी में मिल जाती है। इसकी लंबाई सिर्फ 61 मीटर है। इस कारण इसे गिनीज रिकॉर्ड में 1989 से 2006 तक दर्ज रखा गया था। रॉए नदी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी नदी के रूप में दर्ज किया गया था। हालांकि बाद में इस श्रेणी को हटा दिया गया।

....और भी हैं छोटी नदियां

दुनियां में रॉए नदी के अलावा भी कुछ और छोटी नदियां हैं, जो लंबाई के मामले में काफी छोटी हैं। ऐसी ही एक नदी है तम्बोरासी नदी का नाम आता है जो इंडोनेशिया में स्थित है और इसकी लंबाई केवल 20 मीटर है। इसके अलावा नॉर्वे की कोवासेल्वा नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 65.6 फीट है।

अब अमेरिका में सोशल मीडिया पर यहूदी-विरोधी पोस्ट की तो होगा वीजा रद्द?

वाशिंगटन। अमेरिका में अब यहूदी-विरोधी मानी जाने वाले कंटेंट पोस्ट करने वाले लोगों को वीजा या निवास से वंचित किया जा सकता है। अगर आप सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो अमेरिका बगैर वार्निंग दिए आपका वीजा रद्द कर देगा। इसकी पुष्टि खुद अमेरिकी नागरिकता आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने की है। सोशल मीडिया अब वीजा से जुड़े फैसलों को प्रभावित कर सकती है। डीएचएस ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका में आतंकवादी समर्थकों के लिए कोई जगह नहीं है, और हम उनको अमेरिका में आने या यहां रहने की अनुमति देने के लिए बाध्य नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट में यूएससीआईएस के मुताबिक यहूदी-विरोधी पोस्ट के नाम पर सोशल मीडिया गतिविधि पर भी लगाम लगाई जाएगी। इनमें हमास, लेबनान के हिज्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोहियों जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने वाली पोस्ट शामिल हैं। इन सबको अमेरिका आतंकवादी संगठन मानता है।

करांची में पोलियो खुराक पिलाने से इनकार कर रहे परिवार, मंत्री परेशान

अफगानिस्तान और पाकिस्तान में एक साथ चलाया जा रहा टीकाकरण अभियान

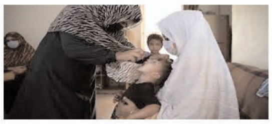

इस्लामाबाद। कराची पोलियो वैक्सीन देने से इनकार करने वाले पाकिस्तानी शहरों की सूची में टॉप पर है, जहां पोलियो वायरस विरोधी अभियानों के दौरान परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से इनकार कर दिया है। यह चिंताजनक आंकड़े देश के संघीय स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने बताए। उन्होंने कहा कि 85 फीसदी परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से मना कर दिया है। कमाल ने खुलासा किया कि पाकिस्तान में कम से कम 44,000 परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि अकेले कराची में 34,000 बच्चे हैं यह 85 से 90 फीसदी का आंकड़ा है। कमाल ने कहा कि पाकिस्तान में पोलियो की खुराक से इनकार के मामले एक बड़ी चुनौती है। पाकिस्तान के समान ही अफगानिस्तान में भी पोलियो-रोधी टीकाकरण अभियान चल रहा है और ये कहीं अधिक बड़ा कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों में एक साथ पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। तालिबान बच्चों को टीका लगाने के लिए घर-घर जाकर टीमें भेज रहा है।

गाजा में इजराइली हमले से अरब में शांति, लेकिन बांग्लादेश, पाकिस्तान और मालदीव उबल रहे

ढाका। गाजा में इजरायली हमले को लेकर अरब देशों में शांति है। लेकिन इस्लामिक देश खूब गुस्से में दिख रहे हैं। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देशों में इजरायल के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हो रहा है। मालदीव ने जहां इजरायली नागरिकों के देश में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि बांग्लादेश में इजरायल के खिलाफ खूब प्रदर्शन हुए हैं। पाकिस्तान यहूदियों के खिलाफ नफरती जहर उगलने के लिए हमेशा तैयार रहता है। बांग्लादेश में पासपोर्ट पर एक नई लाइन को जोड़ा गया है कि यह पासपोर्ट इजरायल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों के लिए वैध है।

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता टूटने के बाद शुरू हुए इजरायली हमले में 1000 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। इजरायल का दावा है कि उसकी लड़ाई में करीब 18000 से 20 हजार हमास के लड़ाके मारे गये है। मालदीव की संसद में एक प्रस्ताव पारित कर इजरायली नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक द्वीप राष्ट्र ने कहा कि वह फिलिस्तीनी लोगों के साथ ÷मजबूती से एकजुट है÷ और गाजा के समर्थन में यह कदम उठा रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह समर्थन फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार के लगातार कृत्यों के जवाब में सरकार के मजबूत रुख को दिखाता है। हालांकि संसद की तरफ से जो प्रस्ताव पारित किया गया है, उसमें ये भी कहा गया है कि ये प्रस्ताव उन इजरायली लोगों के खिलाफ लागू नहीं है, जिनके पास दोहरी नागरिकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल करीब 11000 इजरायलियों ने मालदीव का दौरा किया था। मालदीव अपने रेतीले समुद्र तटों और लक्जरी रिसॉर्ट्स के लिए प्रसिद्ध है। मालदीव पहुंचने वाले कुल पर्यटकों में 0.6 प्रतिशत इजरायली नागरिक थे।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में अब तक 123 आम लोगों की मौत, सैकड़ों घायल

हूती समूह ने कहा- गाजा पर इजराइली हमलों और नाकाबंदी का विरोध करते रहेंगे

सना। यमन में अमेरिकी सेना के हवाई हमलों से काफी नुकसान हुआ है। हूती नियंत्रण वाले स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मार्च के मध्य से अब तक हुए हमलों में कम से कम 123 आम लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 247 लोग घायल हैं। घायलों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे हैं। बता दें रविवार देर रात राजधानी सना के पश्चिमी हिस्से में एक सिरेमिक फैक्ट्री पर अमेरिकी हवाई हमला हुआ, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और 29 घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इससे पहले 9 अप्रैल को जानकारी दी थी कि अमेरिकी हमलों में अब तक 107 लोगों की मौत हुई है और 223 लोग घायल हुए हैं, लेकिन अब यह आंकड़ा और बढ़ गया है।

अमेरिकी सेना का दावा है कि उसके हमले हूती लड़ाकों और उनके ठिकानों को निशाना बना रहे हैं, जिनमें कई शीर्ष नेता मारे गए हैं, मगर हूती समूह ने इन दावों को खारिज किया है। हूती समूह ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिका का एक और एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया है। हूती सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि ड्रोन को हज्जाह प्रांत के आकाश में एक स्थानीय रूप से निर्मित मिसाइल से गिराया। उन्होंने कहा कि नवंबर 2023 से अब तक यह 19वां अमेरिकी ड्रोन है जिसे हूती गिरा चुका है। अमेरिका के बार-बार किए जा रहे हमलों से हूती की सैन्य क्षमताओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। हूती समूह ने दोहराया कि वे गाजा पर इजरायली हमलों और नाकाबंदी के विरोध में फिलिस्तीनियों का समर्थन करते रहेंगे।

बांग्लादेश भेजा दूतः भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से प्यार जता रहे मोहमद यूनुस

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस का अंतरिम सरकार का सलाहकार बनते ही भारत से उन्होंने संबंध खराब कर लिए। इसी दौरान बांग्लादेश का भारत से हटकर पाकिस्तान और चीन दोस्ती का हाथ बढ़ाना शुरू कर दिया। स्थिति ऐसी है कि पाकिस्तानी नेताओं का बांग्लादेश में तांता लग गया है। अब 15 साल में पहली बार पाकिस्तानी विदेश सचिव अम्ना बलोच बुधवार को ढाका पहुंच रही हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि दोनों देश के बीच आखिर किस मुद्दे पर बात होगी। विदेश सचिव अम्ना बलोच आज ढाका पहुंच रही हैं। गुरुवार को स्टेट गेस्ट हाउस पद्मा में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता होगी।

इसमें बांग्लादेश की ओर से विदेश सचिव मोहम्मद जसीम उद्दीन मेजबान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। लगभग 15 वर्षों में दोनों देशों के बीच पहली विदेश सचिव स्तर की बातचीत हो रही है। यह दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस्लामाबाद ढाका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से उत्सुक है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान बांग्लादेश में अपनी वस्तुओं, खासकर कपास के बड़े बाजार के रूप में देखता है। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि पाकिस्तान अफगानिस्तान और ईरान से माल के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है, तो बांग्लादेश के लिए कम लागत पर पाकिस्तान के रास्ते आयात करने पर जोर दे सकता है। बांग्लादेश ने 1971 में स्वतंत्रता के बाद पहली बार पाकिस्तान के साथ सीधा व्यापार फिर से शुरू किया। फरवरी में समझौते के तहत 50,000 टन चावल की पहली खेप पोर्ट कासिम से रवाना हुई थी। हालांकि, पाकिस्तानी चावल की कीमत वियतनाम के चावल से अधिक है, जिसे बांग्लादेश 474.25 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की दर से आयात कर रहा है। बताते चलें कि ढाका-इस्लामाबाद के संबंध शेख हसीना के दौरान सबसे निचले स्तर पर थे। खासकर 2010 के बाद।

नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

नरवाई जलाने पर धारा 163 के तहत लागू है प्रतिबंधात्मक आदेश

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए जा चुके हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में 17 मार्च से लागू है। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। आदेश की व्यक्तिश- तामीली संभव नहीं होने के कारण इसे भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी गई है। जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईंधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है।

आईजी ने सतना जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा की

आईएसओ अवार्ड प्रदान कर अधिकारियों का किया सम्मान

रीवा (कीर्तिप्रभा) . रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने सतना जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में उन्होंने अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण और जनसेवा की स्थिति की गहन समीक्षा की। इस दौरान आईजी ने सतना पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय को उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईएसओ अवार्ड प्रदान किया। यह सम्मान पारदर्शिता, कार्यकुशलता और नागरिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। बैठक के बाद आईजी ने कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर एसपी आशुतोष गुप्ता, एएसपी शिवेश सिंह बघेल, विक्रम सिंह कुशवाहा,सीएसपी महेन्द्र सिंह सहित कई अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

लेखन सामग्री के लिए निविदा आमंत्रित

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लेखन सामग्री क्रय की जानी हैं। इसके लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक व्यापारी अथवा विकेता या निर्माता अपनी निविदाएं सीलबंद करके पूर्ण जानकारी सहित जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा में 13 मई को दोपहर 2 बजे तक आवक-जावक शाखा में जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदाएं 13 मई को शाम 5 बजे क्रय समिति तथा निविदाकर्ता अथवा प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदाएं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीवा के नाम से प्रस्तुत करनी होंगी। निविदा की शर्तें एवं सामग्री की संपूर्ण जानकारी मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की वेबसाइट 222.रूश्चद्धष्.द्दश1.द्बठ्ठ एवं जिला न्यायालय रीवा की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जहां से निविदा प्रारूप एवं शर्तें डाउनलोड की जा सकती हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के संबंध में बैठक 18 अप्रैल को

रीवा (कीर्तिप्रभा)-26 में आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारी बैठक 18 अप्रैल को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित की गई है। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने दोपहर 12 बजे से आयोजित बैठक में संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

थल सेना अध्यक्ष ने उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज भोपाल स्थित निज निवास पर विंध्य क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के गौरव, भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी जी एवं उनकी धर्मपत्नी का सपरिवार स्वागत एवं अभिनंदन किया।जनरल द्विवेदी विंध्य की माटी के वह अनमोल रत्न है जो आज अपनी सेवाएं माँ भारती की सीमाओं की रक्षा करने वाली भारतीय थल सेना के अध्यक्ष के रूप में दे रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।

बच्चों के देखरेख में सहयोग की अपील

रीवा (कीर्तिप्रभा). महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रीवा जिले में बाल संप्रेक्षण गृह और हरि बाल गृह का संचालन किया जा रहा है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों के तहत इनमें अपचारी और निराश्रित बच्चों की देखभाल की जाती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बाल संप्रेक्षण गृह और बाल गृह में रह रहे बच्चों की देखभाल और उनके जीवन को नई दिशा देने में सहयोग की अपील की है।

श्रीमती पाण्डेय ने कहा है कि इन संस्थाओं में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, अधिकारी तथा कोई भी व्यक्ति सहयोग कर सकता है। यह सहयोग आर्थिक रूप में हो सकता है। इसके साथ-साथ इन बच्चों के साथ नियमित मुलाकात करके उनके साथ समय बिताना, खेलना, नैतिक शिक्षा देना, पढ़ाना, कम्प्यूटर का ज्ञान कराना, कला और संस्कृति की शिक्षा देना तथा कौशल विकास के लिए मार्गदर्शन के रूप में भी सहयोग दिया जा सकता है। इन बच्चों को नशामुक्ति का संदेश देने, मनोवैज्ञानिक सलाह तथा अन्य तरीके से भी जीवन की सही दिशा और खुशियों का मार्ग दिखाया जा सकता है। इन बच्चों के लिए किताबें, खेलकूद सामग्री, वाटर कूलर तथा कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर भी सहयोग किया जा सकता है। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट रीवा से प्राप्त की जा सकती हैं।

युवा संगम कार्यक्रम 21 अप्रैल को आईटीआई रीवा में

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिले के शासकीय आईटीआई रीवा में 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में जीएसएस आईएफएमएस प्रा. लि. जामनगर ए गुजरात, बैक्सी लिमिटेड नीमराना कोटा, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी गुजरात, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. छत्तीसगढ, पेरेग्रीन गार्डिंग प्रा.लि. गुजरात, डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे तथा एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

जिला योजना समिति की बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला योजना समिति की बैठक 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन सड़क योजना, पेयजल, जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर मऊगंज ने जनपद सीईओ नईगढ़ी को दिया कारण बताओ नोटिस

रीवा (कीर्तिप्रभा) मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जनपद पंचायत नईगढ़ी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती कल्पना यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण हेतु कैंप आयोजित किये जाने के निर्देश पर नईगढ़ी में कैंप आयोजित नहीं किया गया तथा संयुक्त कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान सीईओ अनुपस्थित पाई गईं

समाधान आनलाइन के आवेदनों का दो दिवस में निराकरण करें - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में मार्च माह में दर्ज आवेदन तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदन 20 अप्रैल तक निराकृत करें। अधिकारी स्वयं प्रकरणों का अध्ययन कर उनमें तथ्यपरक प्रतिवेदन दर्ज कराएं। कोई भी आवेदन यदि बिना अटेण्ड किए लेबल-2 में गया तो लेबल-1 अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सभी सीएम हेल्पलाइन प्रकरण दो दिवस में अनिवार्य रूप से निराकृत करें। तहसीलदार राजस्व विभाग के सीमांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के सीएम हेल्पलाइन प्रकरण सात दिवस में निराकृत करें। प्रकरणों के संबंध में पटवारियों से प्रतिवेदन प्राप्त करके उनका निराकरण कराएं। प्राकृतिक आपदा के लंबित प्रकरण तीन दिवस में निराकृत करें। प्राकृतिक आपदा में राहत राशि से संबंधित प्रकरण 30 दिन में निराकृत न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि पीएचई विभाग, ऊर्जा विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, ट्राईबल विभाग तथा नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनका तत्परता से निराकरण कराएं। कार्यपालन यंत्री पीएचई हैण्डपंप तथा नलजल योजना की सभी शिकायतें तीन दिवस में निराकृत करें। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा बिजली की आपूर्ति और बिजली बिलों से संबंधित प्रकरण सात दिवस में निराकृत करें। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कार्यपालन यंत्री पीडब्लयूडी सहायक संचालक पिछड़ावर्ग तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा भी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। गेंहू उपार्जन के लिए अब तक 2500 से अधिक किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में गेंहू का उपार्जन शुरू कराएं। एसडीएम तथा तहसीलदार खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम खाद्य सुरक्षा योजना के आवंटित खाद्यान्न का सात दिवस में शत-प्रतिशत उठाव करके उचित मूल्य दुकानों में भण्डारण कराएं। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि ई आफिस व्यवस्था में जो विभाग ऑनबोर्ड हो गए हैं वे ऑनलाइन माध्यमों से फाइलें प्रस्तुत करें । जो विभाग अभी भी ई ऑफिस व्यवस्था लागू नहीं कर पाए हैं वे सात दिवस में अनिवार्य रूप से ऑनबोर्ड हो जाएं। अप्रैल माह के बाद सभी फाइलें केवल ई आफिस पोर्टल के माध्यम से ही संचालित होंगी। कलेक्ट्रेट के प्रभारी अधिकारी विभागों तथा कार्यालयों को भेजे जाने वाले सभी पत्रों को भी ई ऑफिस से भेजने की व्यवस्था करें। नरवाई जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। उप संचालक कृषि सेटेलाइट से प्राप्त सूचना के आधार पर नरवाई जलाने की रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। एसडीएम और तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों पर निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार जुर्माने की कार्यवाही करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई खराब हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं। हैण्डपंपों के सुधार के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में कंट्रोल रूम बनाकर उसमें आवश्यक उपकरणों के साथ टीम तैनात करें। जहाँ आवश्यक हो वहाँ तत्काल सिंगल फेज मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला समन्वयक शिक्षा केन्द्र विद्यार्थियों के शाला में शत-प्रतिशत प्रवेश तथा किताबों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करें। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की भी विकासखण्डवार समीक्षा की गई।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन के लिए विशेष अभियान आज तक

रीवा (कीर्तिप्रभा) श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित व असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है।

इस संबंध में श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया शासन द्वारा गिग/प्लेटफार्म वर्कस जैसे जोमेटो, स्विगी, ईंट श्योर, फूड पांडा, अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बॉस्केट, ग्रोफर, जेप्टों, ब्लिंकिट, बेस्ट प्राइस, मेट्रो, डी-मार्ट, ओला, उबर, जुगनू, रेपिडो आदि में कार्य करने वाले ऐसे कर्मचारियों को इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे। गिग/प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन के लिए 17 अप्रैल तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। पंजीयन आनलाइन लिंक द्धह्लह्लश्चह्य://ह्यद्गद्दद्बह्य-ह्लद्गह्ल्-द्दह्यद्धह्लड्डद्ब-द्दश1-द्बठ्ठ/स/ह्लह्यद्गह्ल्/ह्यद्गद्यद्ध के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

प्रभारी मंत्री आज बिछिया नदी उद्गम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

जिला योजना समिति की बैठक की करेंगे अध्यक्षता

रीवा (कीर्तिप्रभा) रीवा जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 17 अप्रैल को सुबह 7 बजे राजनिवास से प्रस्थान करेंगे तथा सुबह 8 बजे मऊगंज जिले में पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बिछिया नदी उद्गम स्थल पर पूजन, जनचर्चा एवं ग्रामसभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुबह 10.30 बजे वापस राजनिवास रीवा पहुंचेंगे तथा सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री का दोपहर 2 बजे से दोपहर 3.55 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। प्रभारी मंत्री कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में शाम 4 बजे से 5 बजे तक आयोजित पंच-सरपंच सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री शाम 5.05 बजे राजनिवास पहुंचेंगे तथा शाम 6 बजे राजनिवास से प्रस्थान कर शाम 6.10 बजे पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा डॉ. अजय सिंह के निवास हरिहरपुर जायेगें तदुपरांत शाम 6.30 बजे प्रभारी मंत्री श्री पटेल दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के लिए प्रस्थान करेंगे।

ई केवाईसी कराने पर ही मिलेगा मई माह से खाद्यान्न - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा एक मई से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर मई माह से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें। कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी कराने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित करें

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के कार्य बड़े पैमाने पर लिए गए हैं। इसकी कार्ययोजना में शामिल खेत तालाब निर्माण, अमृत सरोवर निर्माण, कुओं तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने एवं अन्य जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति 20 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से जारी कर दें। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा इसका व्यक्तिगत रूचि लेकर मानीटरिंग करें। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण विकास विभाग के साथ अन्य विभागों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन स्तर से तय कार्ययोजना के अनुसार जल संरक्षण के कार्य कराएं। जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करें। इसके लिए रैली, संगोष्ठी, दीवार लेखन तथा अन्य उपायों का उपयोग करें। इस अभियान में सामाजिक संगठनों और आमजनता की भागीदारी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि अभियान के तहत मनरेगा के 1208 अधूरे कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से अब तक पूर्ण 89 कार्यों का पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कराएं। सभी अधूरे कार्य 20 मई तक पूरे कराकर इनका पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। खेत तालाब निर्माण के लिए चिन्हित 393 कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करें। महाप्रबंधक उद्योग तथा क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास निगम औद्योगिक इकाईयों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने तथा दूषित पानी को साफ करने की संरचनाएं अनिवार्य रूप से बनवाएं। उप संचालक कृषि आत्मा परियोजना एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों के साथ किसानों के बीच जाकर उन्हें कम पानी में ली जाने वाली फसलों की जानकारी दें। स्प्रिंकलर के उपयोग तथा जल संरक्षण के अन्य उपायों के प्रति किसानों को जागरूक करें। जिला शिक्षा अधिकारी सभी स्कूलों की पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराएं। स्कूलों में जल संरक्षण का संदेश देने के लिए निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएं। सभी सीएमओ नगरीय निकायों में जल स्रोतों की साफ-सफाई, हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने तथा मकानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है। इसमें शामिल सभी विभाग जल संरक्षण की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहें। प्रत्येक दिन के कार्य की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप पर अच्छे फोटोग्राफ के साथ उपलब्ध कराएं। जनसम्पर्क अधिकारी जल संरक्षण की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन अभियान के तहत नहरों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य प्राथमिकता से कराएं। वन मण्डलाधिकारी जल गंगा अभियान के दौरान वन क्षेत्र के जल स्रोतों की साफ-सफाई, स्टापडैम, चेकडैम तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराएं। वृक्षारोपण की भी पूरी तैयारी कर लें। आयुक्त नगर निगम शहर के प्रमुख तालाबों तथा बीहर एवं बिछिया नदी में साफ-सफाई का कार्य कराएं। साथ ही माई भारत पोर्टल में जल दूतों का पंजीयन भी कराएं। जन अभियान परिषद तथा ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े समूह ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। एसडीएम अभियान के तहत सभी नहरों, अमृत सरोवरों तथा अन्य तालाबों को खसरे में दर्ज कराएं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।